शुक्रवार, 19 जून 2026

मौसम

तापमान	28 – 34
आर्द्रता	95%
सूर्योदय: 04:52	सूर्यास्त: 18:23

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ (शुद्ध) शुक्लपक्ष पंचमी, वि.स. 2083, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : किसी दूसरे देश की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीक़ा उसका साहित्य पढ़ना है।

प्रौद्योगिकी लोकतंत्रीकरण से ही बन सकती है प्रगति का माध्यम, एआई हमारे लिए सर्वसमावेशी: मोदी पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

अपराधियों, अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही बंगाल सरकार : राज्यपाल

राज्यपाल ने नई सरकार की प्राथमिकताओं और कानून-व्यवस्था, सीमा सुरक्षा एवं कल्याणकारी कदमों पर डाला प्रकाश

राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ विधानसभा का पहला सत्र

विधानसभा परिसर में राज्यपाल आर. एन. रवि का स्वागत करते मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल आर. एन. रवि ने गुरुवार को नवगठित विधानसभा के पहले सत्र को संबोधित करते हुए राज्य की नई भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं का खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य कानून का शासन स्थापित करना, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना, अवैध घुसपैठ रोकना, उद्योगों को पुनर्जीवित करना और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में पनपी 'धमकाने की संस्कृति', जबरन वसूली और भ्रष्टाचार के गिरोहों को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि सत्ता संभालते ही सरकार ने असामाजिक तत्वों, जबरन वसूली करने वाले गिरोहों तथा अवैध बालू और कोयला खनन से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है तथा उन तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिन्हें पूर्व सरकार का संरक्षण प्राप्त था।उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ रोकने और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर भेजने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। राज्यपाल ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सीमा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूमि उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा मजबूत होगी। प्रशासनिक सुधारों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरकार पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगी। भ्रष्टाचार, रंगदारी और हर प्रकार की जबरन वसूली पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। महिलाओं, कमजोर और वंचित वर्गों के खिलाफ अपराधों पर 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाई जाएगी तथा महिला सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। औद्योगिक विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि अनुपयोगी और कम उपयोग वाली सरकारी भूमि को वापस लेकर औद्योगिक परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। तटीय नौवहन, अंतर्देशीय जलमार्ग, मत्स्य पालन, ऊर्जा क्षेत्र तथा अशोकनगर में ओएनजीसी की परियोजनाओं को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल विस्तार सहित रेलवे परियोजनाओं में राज्य सरकार पूरा सहयोग देगी क्योंकि मजबूत आधारभूत ढांचा आर्थिक विकास की कुंजी है।राज्यपाल ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए लाभकारी नीतियां लागू की जाएंगी। शिक्षा क्षेत्र में नियमित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी), छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार, पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण और 'पीएम श्री' विद्यालय योजना लागू की जाएगी। विद्यालयों में 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य किया गया है। उत्तर बंगाल में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए स्टार्टअप केंद्र विकसित किए जाएंगे ताकि रोजगार के लिए उन्हें दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची का पुनः सत्यापन कराया जाएगा। सामाजिक कल्याण के तहत अन्नपूर्णा योजना, महिलाओं के लिए बसों में निःशुल्क यात्रा, पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में पारदर्शी आवंटन सुनिश्चित करने की घोषणा की गई। साथ ही विधवाओं और वरिष्ठ नागरिकों को आवास आवंटन में प्राथमिकता देने की बात कही गई। दार्जिलिंग से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सभी पक्षों से बातचीत का भी आश्वासन दिया गया। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही भाजपा सरकार के पहले बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत हुई, जिसमें कानून-व्यवस्था, सुशासन, औद्योगिक विकास, शिक्षा, कृषि, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा को सरकार के प्रमुख एजेंडे के रूप में रेखांकित किया गया।

राज्य अब जल शक्ति मंत्रालय की सभी प्रमुख परियोजनाओं में करेगा भागीदारी : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार अब केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से जुड़ी सभी जल परियोजनाओं में भाग लेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को यह घोषणा की। उन्होंने यह घो-षणा राज्य सचिवालय नवान्न में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए की। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना वाली केंद्र सरकार की प्रमुख योजना जल जीवन मिशन अब राज्य में तेजी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह मिशन पीएम मोदी के उस विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके तहत राज्य के सबसे दूरदराज इलाकों तक हर घर में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अब जल शक्ति मंत्रालय के साथ मिलकर नमामि गंगे कार्यक्रम और जल शक्ति अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में भी भाग लेगी। इससे राज्य को लाभ मिलेगा और राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकेंगी। शुभेंदु अधिकारी ने अपने पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता और उनकी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार जल शक्ति मंत्रालय से जुड़ी केंद्रीय योजन-ाओं में राज्य की भागीदारी को लेकर उत्साहित नहीं थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक पिछली राज्य सरकार ने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को रोकने, धीमा करने और उनका श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन अब वंचना का वह दौर खत्म हो गया है। भाजपा सरकार इन योजनाओं को बिना किसी बाधा के जमीन पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार ने 26,474 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाने के लिए 18,907 करोड़ रु आवंटित किये

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) और अन्य ग्रामीण कनेक्टिविटी पहल के तहत 26,474 किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कें बनाने के लिए 18,907 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना के तहत राज्य-वार भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल की अध्यक्षता में हुई एक व्यापक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक में इसे रेखांकित किया गया। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, कंसल ने 2026-27 के लिए राज्य-वार लक्ष्यों और उनके कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान, उन इलाकों में ग्रामीण कनेक्टिविटी को पूरी तरह से सुनिश्चित करने पर विशेष रूप से जोर दिया गया, जहां यह अभी तक नहीं है।

अमेरिका, ईरान ने युद्ध समाप्त करने के प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, प्रतिबंधों में ढील

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बुधवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत तेहरान अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को कम करेगा और इसके बदले उसे अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी जिससे ईरान बिना किसी रोक के अपना तेल बेच सकेगा। अमेरिका और ईरान ने यह जानकारी दी। समझौते की मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा हस्ताक्षर करने के बाद युद्ध समाप्त करने संबंधी यह प्रारंभिक समझौता ''तत्काल प्रभाव'' से लागू हो गया है। समझौते में स्थायी रूप से संघर्ष समाप्त करने की बात कही गई है। इसके साथ ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य को लेकर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए 60 दिन की वार्ता अवधि शुरू हो गई है। हालांकि, ट्रंप ने दोबारा हमला शुरू करने का विकल्प खुला रखा है। ऐसा प्रतीत होता है कि समझौते के तहत ईरान को शुरुआत में ही कई बड़े लाभ दिए गए हैं, जबकि बदले में उससे बहुत कम हासिल किया गया है।

नीट-यूजी अभ्यर्थी परेशान न हों, दोबारा परीक्षा से पहले अफ़वाहों पर ध्यान न दें: एनटीए

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने बृहस्पतिवार को नीट-यूजी के अभ्यर्थियों से कहा कि वे परेशान न हों और अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करें। एजेंसी ने साथ ही कहा कि परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। एजेंसी ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि पुन: परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को ही आयोजित की जाएगी। इसने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे परीक्षा स्थगित होने की अफवाहों या ''सोशल मीडिया पर मच रहे शोर-शराबे'' से प्रभावित न हों। संदेश में अभ्यर्थियों से कहा गया कि वे सिर्फ़ एनटीए की आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें।

बंगाल : जेईई परीक्षा का परिणाम घोषित, 97.74 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल

कोलकाता का श्वाशत बनर्जी बना टॉपर

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा (डब्ल्यूबीजेईई) 2026 का परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया गया। संयुक्त प्रवेश परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष गौतम भट्टाचार्य और रजिस्ट्रार दिव्येंदु कर ने परिणाम जारी करते हुए परीक्षा से जुड़े विभिन्न आंकड़े और मेधा सूची की जानकारी दी। बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष कुल 1,20,856 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 94,901 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 67,378 पुरुष, 27,521 महिला और दो तृतीय लिंग के अभ्यर्थी थे। परीक्षा में कुल 92,753 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए, जो कुल परीक्षार्थियों का 97.74 प्रतिशत है। सफल अभ्यर्थियों में 66,383 पुरुष, 26,368 महिला तथा 2 तृतीय लिंग के अभ्यर्थी शामिल हैं। राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, राज्य के 73,665 अभ्यर्थी सफल हुए, जबकि राज्य के बाहर के 19,088 अभ्यर्थियों ने भी परीक्षा उत्तीर्ण की। संयुक्त प्रवेश परीक्षा बोर्ड ने बताया कि विभिन्न आरक्षण श्रेणियों के तहत सीटों का आरक्षण पूर्व निर्धारित नियमों के अनुसार रहेगा। अनुसूचित जनजाति के लिए 6 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 22 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 7 प्रतिशत, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 4 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी।

मेधा सूची में शीर्ष 10 अभ्यर्थी

1. श्वाशत बनर्जी (सॉल्टलेक, नालंदा अकादमी, कोटा, राजस्थान)
2. सौरिद्ध मंडल (बिद्यानगर, विष्णुपुर, विवेकानंद मिशन स्कूल, जोका)
3. उमंग भूट (रानीगंज, पूर्व इंटरनेशनल स्कूल, दुर्गापुर)
4. राहुल कोनार (उत्तर 24 परगना, डीपीएस न्यूटाउन)
5. सरबान भट्टाचार्य (बीजपुर, गार्डेन हाई स्कूल)
6. अर्हा भट्टाचार्य (चंद्रकोना, चंद्रकोना जिराट हाई स्कूल)
7. सृजन सूर (शिवपुर, हावड़ा)
8. मनीष सेनापति (कोतवाली, मेदिनीपुर)
9. सब्यसाची लस्कर (सोन-ारपुर, बीडीएम इंटरनेशनल स्कूल)
10. देवजीत पाल (बालीगंज, साउथ प्वाइंट स्कूल)

मोदी, ट्रंप ने अधिकारियों को व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया : विदेश सचिव मिसरी

पेरिस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय बैठक के दौरान व्यापार के मुद्दे पर प्रमुखता से चर्चा हुई थी और दोनों नेताओं ने अपने वार्ताकारों को प्रस्तावित व्यापार समझौते को यथाशीघ्र अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मिसरी की ये टिप्पणियां मोदी और ट्रंप के बीच जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान 16 महीनों में पहली बार हुई आमने-सामने की हुई बातचीत के एक दिन बाद आईं। दोनों देशों के शासनाध्यक्षों की मुलाकात का उद्देश्य दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बेहतर बनाना था। विदेश सचिव ने कहा, ''कल कुछ जरूरी और अहम मुद्दों पर चर्चा होनी थी, खासकर व्यापार समझौते पर, जिसने पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच कुछ हद तक अनिश्चितता पैदा कर दी है।'' उन्होंने एक प्रेस वार्ता ने कहा, ''और यह जरूरी था कि हम इन मुद्दों पर किसी तरह की निश्चितता की ओर बढ़ें।'' मिसरी ने कहा कि अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काफी प्रगति हुई है और बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर अगले सप्ताह भारत का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, ''हमने अमेरिका के साथ एक अंतरिम मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में पहले ही काफी प्रगति कर ली है। हम इस समझौते को पूरा करने के अंतिम चरण में हैं।'' मिसरी ने कहा, ''एवियॉन में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में यह चर्चा का एक मुख्य विषय था। दोनों नेताओं ने एक बार फिर इस समझौते को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।''

शिवसेना (उबाठा) के छह सांसद पार्टी बैठक में शामिल नहीं हुए

नयी दिल्ली : शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नौ लोकसभा सदस्यों में से छह बृहस्पतिवार को यहां उसके संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं हुए जिससे पार्टी में विभाजन के संकेत स्पष्ट हो गए और अनुपस्थित सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की संभावनाएं प्रबल हो गईं। इस घटनाक्रम से नाराज नजर आ रहे शिवसेना (उबाठा) के एकमात्र राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बैठक में शामिल नहीं होने वाले सांसदों पर निशाना साधा और उनके लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि ''गद्दारों'' को शिवसैनिकों के गुस्से से बचने के लिए भारतीय वायुसेना की सुरक्षा की आवश्यकता पड़ेगी।

क्वालिटी कंट्रोल हेतु जरूरी डॉक्टर की पर्ची

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए।

लेकिन सवाल सिर्फ कफ सिरप का ही नहीं है। आम भारतीयों की आदत में शुमार है कि लोग अक्सर खांसी-बुखार की दवाइयां यह जाने बगैर सेवन करते हैं कि उनमें क्या-क्या मिला है। यह भी कि इनके उपयोग से हमारे शरीर में क्या-क्या साइड-इफेक्ट हो सकते हैं। यह भी जानने की कोशिश नहीं होती है कि इन सिरप आदि को अन्य दवाओं के साथ लेने से क्या-क्या नकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे शरीर में हो सकती है। बहरहाल, अब जब सरकार ने तय कर दिया है कि अनुभवी डॉक्टर की सलाह से ही सिरप आदि खरीदे जा सकते हैं तो मरीजों के तिमारदार तय कर सकेंगे कि किस कंपनी की गुणवत्ता वाली दवा खरीदनी है। जिससे न केवल इलाज सही हो सकेगा बल्कि यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि मरीज के शरीर में कोई अन्य बीमारी छूट न जाए। लेकिन हकीकत यह भी है कि सिर्फ कठोर कानून बनाने मात्र से ही बेहतर परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते हैं। भारत में पहले से ही दवाइयों की बिक्री के नियमन से जुड़े कानूनों की कमी नहीं है। इसके बावजूद डॉक्टर की पर्ची पर ही उपलब्ध होने वाली दवाइयां अक्सर बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के ही आसानी से मेडिकल स्टोरों में मिल जाया करती हैं। दरअसल, असली चुनौती कानून का अनुपालन सख्ती से करने की होती है। जब तक देश में तमाम फार्मेसियों की नियमित जांच नहीं होती, कानून का उल्लंघन करने पर कड़े दंड का प्रावधान नहीं होता, तब नये नियम-कानून महज अच्छे इरादे वाले निर्देश मात्र बनकर रह जाएंगे। ऐसे में इस प्रयास का जमीनी असर बेहद कम ही रह पायेगा। वास्तव में देश में दवा उत्पादक इकाइयों की नियमित निगरानी, राज्यों में सशक्त ड्रग-कंट्रोल अथॉरिटी, नियमित गुणवत्ता जांच के अलावा जन चेतना अभियान चलाने की सख्त जरूरत है। लोगों को बिना डॉक्टर के परामर्श के दवा लेने के खतरों से अवगत कराना होगा। निस्संदेह, सरकार द्वारा चिकित्सक के परामर्श पर ही सिरप आदि की उपलब्धता से जुड़े नियम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि हम किस सीमा तक एक जवाबदेह सिस्टम बना पाते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 19 जून, शुक्रवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ (शुद्ध) शुक्लपक्ष पंचमी, 17:06 तक, नक्षत्र : आश्लेषा, 10:07 तक, योग : हरषाना, 14:54 तक, सूर्योदय: 04:52, सूर्यास्त: 18:23, चन्द्रोदय : 09:47, चन्द्रास्त: 22:53, शक सम्वत: 1948 पराभव, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 10:35 से 12:15

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए खुशियों और शुभ संकेतों से भरा रहने वाला है। किसी मांगलिक या धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिससे मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

वृष : आज रिश्तों में अपनापन और मजबूती महसूस होगी, खासकर परिवार और करीबी लोगों के साथ। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने से आपकी पहचान और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे।

मिथुन : आज का दिन बाकी दिनों से कहीं ज्यादा राहत और खुशी देने वाला रहेगा। आपकी मेहनत आपको नई पहचान दिला सकती है और परिवार के साथ रिश्तों में भी मिठास बनी रहेगी।

कर्क : आज खर्चे आपकी जेब पर थोड़ा ज्यादा असर डाल सकते हैं, इसलिए सोच-समझकर खर्च करना बेहतर रहेगा। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मन मजबूत रहेगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए खास और यादगार साबित हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में बिजनेस और करियर के लिए फायदेमंद साबित होगी।

कन्या : आज का दिन सकारात्मक परिणाम और नई उम्मीदें लेकर आएगा। घूमने-फिरने या यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो आगे चलकर आपके बहुत काम आएगी।

तुला : आज आर्थिक मामलों में आपको राहत और मजबूती महसूस होगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी और फैसले लेने की क्षमता भी मजबूत बनी रहेगी।

वृश्चिक : आज जमीन-जायदाद या प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में आपके लिए अच्छे संकेत हैं। मन में आगे बढ़ने और खुद को साबित करने की भावना बनी रहेगी।

धनु : आज आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम न मिलने से थोड़ा असंतोष रह सकता है और आप नई नौकरी की तलाश की ओर भी कदम बढ़ा सकते हैं।

मकर : आज का दिन विद्यार्थियों के लिए काफी उत्साहजनक रहेगा। पुराने लेन-देन या आर्थिक उलझनों से राहत मिल सकती है। संतान के परीक्षा परिणाम घर में खुशी और गर्व का माहौल बनाएंगे।

कुम्भ : आज का दिन मस्ती और हल्के-फुल्के पलों से भरा रहेगा, लेकिन दूसरों के कामों में ज्यादा उलझना बाद में आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है।

मीन : आज आपको हर कदम पर सावधानी और सतर्कता बरतने की जरूरत होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

भारत से शिकागो और फिर हुगली तक : स्वामी विवेकानंद के योग संदेश की वैश्विक यात्रा

प्रतापराव जाधव

समूचे इतिहास में, कुछ विचार सरहदों के पार जाकर समाजों को बदलते रहे हैं। योग भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, जिसकी यात्रा प्राचीन शास्त्रों से शुरू होकर वैश्विक मान्यता तक जा पहुँची है।

योग शब्द – जो संस्कृत के मूल शब्द युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकत्व स्थापित करना– अपने भीतर दार्शनिक चिंतन और व्यावहारिक अनुशासन की एक समग्र प्रणाली समाहित किए हुए है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति (जीवात्मा) का सार्वभौमिक चेतना (परमात्मा) के साथ मिलन कराना है।

योग के प्रारंभिक बीज ऋग्वेद (लगभग 1500–1200 ईसा पूर्व) में मिलते हैं, जहाँ तप और ध्यान जैसी अवधारणाओं का उल्लेख किया गया है। आगे चलकर इन विचारों का विकास उपनिषदों में हुआ, जिन्होंने योग के अनेक दार्शनिक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया। हालाँकि योग को उसका सर्वाधिक व्यवस्थित स्वरूप महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र (लगभग 200 ईसा पूर्व–400 ईस्वी) ने प्रदान किया। इसमें अष्टांग योग अथवा आठ अंगों वाले मार्ग का वर्णन किया गया है, जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं।

पतंजलि के अलावा, भगवद् गीता योग को जीवन जीने के गतिशील दर्शन के रूप में प्रस्तुत करती है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र की पृष्ठभूमि में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद मानव कर्तव्य, उद्देश्य और आध्यात्मिक उन्नति के विषय में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भगवद्गीता में वर्णित विभिन्न मार्गों में कर्म योग (निःस्वार्थ कर्म का मार्ग), ज्ञान योग (ज्ञान का मार्ग) और भक्ति योग (भक्ति का मार्ग) मुक्ति प्राप्ति के तीन प्रमुख पथ माने गए हैं। अतः भारत केवल योग की जन्मभूमि ही नहीं है–यह एक जीवंत सभ्यता है, जहाँ योग सहस्राब्दियों से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है, और जो इसकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा दार्शनिक संरचना का अभिन्न अंग रहा है।

हालाँकि, औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय समाज के शिक्षित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी बौद्धिक विचारधाराओं से प्रभावित होने और योग सहित भारत की अनेक पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं को बदलती आधुनिक दुनिया में अपेक्षाकृत कम प्रासंगिक माना जाने लगा। ऐसे महत्वपूर्ण समय में, स्वामी विवेकानंद एक सशक्त स्वर बनकर उभरे, जिन्होंने लोगों को योग के वास्तविक महत्व को फिर से जानने में मदद की।

स्वामी विवेकानंद ने अपने उपदेशों और विश्व धर्म संसद में दिए ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया का ध्यान भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकृष्ट किया और योग की शाश्वत ज्ञान-परंपरा के प्रति लोगों में नया विश्वास जगाया। उन्होंने विश्व के विभिन्न भागों के लोगों के साथ वेदांत और योग के सिद्धांत साझा किए तथा यह स्पष्ट किया कि योग केवल एक धार्मिक साधना नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत विकास, आंतरिक शांति और आत्म-विकास का मार्ग भी है। विदेशों में स्वामी विवेकानंद को मिले व्यापक सम्मान और प्रशंसा ने भारतीयों के मन में अपनी प्राचीन परंपराओं और संस्कृति के प्रति नया विश्वास और गौरव उत्पन्न किया।

स्वामी विवेकानंद ने शिकागो – और उसके बाद अमेरिका भर में तथा यूरोप के विभिन्न देशों में अपने व्याख्यानों के माध्यम से पश्चिमी जगत को राजयोग (मन के नियंत्रण का योग), ज्ञानयोग (विवेक और ज्ञान का मार्ग), कर्मयोग (निःस्वार्थ सेवा का मार्ग) तथा भक्तियोग (ईश्वर-प्रेम और समर्पण का मार्ग) से परिचित कराया। पतंजलि के योग सूत्रों पर आधारित उनकी पुस्तक राजयोग (1896), पश्चिमी समाज के लिए योग-दर्शन का परिचय कराने वाली प्रारंभिक और सर्वाधिक प्रभावशाली कृतियों में से एक बन गई।

राजयोग पर दिए अपने व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद ने योग को मानव चेतना के आंतरिक आयामों की खोज करने वाली एक व्यवस्थित और अनुभव-आधारित साधना के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मानवता के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान उसकी आध्यात्मिक ज्ञान-परंपरा है, और योग उस परंपरा की सबसे गहन तथा स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक है। उनके विचारों ने उस समय के जाने-माने बुद्धिजीवियों और विचारकों का ध्यान खींचा, जिससे भारतीय दर्शन के साथ पश्चिमी देशों का जुड़ाव और बढ़ा।

जो बात शायद कम चर्चित है– किंतु उतनी ही महत्वपूर्ण है, – वह यह है कि पश्चिमी देशों में स्वामी विवेकानंद के कार्यों ने भारत के भीतर ही योग के पुनर्जागरण को प्रेरित किया। जब स्वामी विवेकानंद 1897 में भारत लौटे, तो वे खाली हाथ नहीं लौटे थे। वह अपने साथ एक नया आत्मविश्वास – भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व की एक नई भावना लाए थे – जो पश्चिम में उनके स्वागत से और बढ़ गई थी।

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया। 1 मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की – जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे। बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख्यालय बन गया, जिसने वेदांत के आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा) तथा योग-दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे आध्यात्मिक गुरुओं की धरती होने के बावजूद, बदलते समय के साथ बंगाल में योग की सार्वजनिक दृश्यता धीरे-धीरे कम होती गई। जीवनशैली में परिवर्तन, आधुनिक प्राथमिकताओं के उभरने और सामाजिक संरचना में बदलाव के कारण योग धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन के केंद्र से दूर होता गया। फिर भी, इसकी जड़ें आध्यात्मिक संस्थाओं और समर्पित साधकों के माध्यम से जीवित रहीं।

11 सितंबर 1893 को, अमेरिका के बहनों और भाइयों के अमर अभिवादन के साथ शुरुआत करते हुए, स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। अब यह पंक्तियाँ पश्चिम बंगाल के बहनों और भाइयों, अपने ही घर में योग की घर वापसी के साक्षी बनिए– शिकागो के वैश्विक मंच से लेकर हुगली के तट तक – गहरे भावनात्मक संबंध को व्यक्त करती हैं, जो हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती हैं, जब स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया था। उनका संदेश भारत से विश्व तक पहुँचा और योग, सामंजस्य तथा आंतरिक शांति के मूल्यों का प्रसार कराता रहा।

आज हुगली के तटों पर जो लौटा है, वह स्वयं योग नहीं है–क्योंकि भारत में योग कभी समाप्त ही नहीं हुआ–बल्कि योग के प्रति वह नवीनीकृत वैश्विक मान्यता और सराहना है, जिसकी शुरुआत भारत के प्राचीन ऋषियों से हुई और जिसे स्वामी विवेकानंद के संदेश ने विश्व मंच पर नए रूप में अभिव्यक्त किया।

यह आज लौट आया है – पुनर्जीवित, पुनःमान्य और पुन:स्थापित होकर – बंगाल में हुगली नदी के तट पर, जहाँ बेलूर मठ आज भी उस यात्रा की जीती-जागती यादगार के तौर पर खड़ा है। आज जब विश्वभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है और जब दुनिया इसे एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देती है, – ऐसे में यह याद रखना आवश्यक है कि योग की यह वैश्विक यात्रा अपने केंद्र में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक मिशन को समाहित किए हुए है।

आज, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के साथ, ऐसा लग रहा है मानो योग की खुशबूदार घर वापसी उसी सरजमीं पर हो रही है, जहाँ से इसके संदेश ने विश्व मंच तक की अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। हुगली नदी के तट एक बार फिर इस बात के साक्षी बन रहे हैं कि लोग एक ऐसी परंपरा का उत्सव मनाने के लिए, एकत्र हो रहे हैं, जिसने महासागरों पार किया था और अब ज़्यादा पहचान और सम्मान के साथ लौटी है।

शिकागो से हुगली तक की यात्रा केवल एक अभ्यास की यात्रा नहीं है; यह एक विचार – और वास्तव में एक भावना – की यात्रा है, जो संतुलन, करुणा और आत्म-चेतना के माध्यम से तथा आंतरिक सामंजस्य की खोज के द्वारा मानवता को निरंतर जोड़ती रहती है।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

नारी शक्ति का दशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए– हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी। चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है। जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास 'हर घर जल' का अपना नल है। खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है– आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है। सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार– घर की महिला का नाम लिखा है। पर्स में जन-धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है।

यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज़ जी रही हैं। यह उस दौर की दास्तान है जिसमें वूमन एलईडी डेवलपमेंट के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है।

इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए, एक दशक पीछे लौटिए। एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी। निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 से चार बार अधर में लटका रहा और ट्रिपल तलाक पर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई। चूल्हा साँसों में कालिख घोलता था। दूरस्थ हैंडपंप रोजमर्रा की बेबसी का प्रतीक था। भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा में अपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी।

शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़े–जीवन का अधिकार से। देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है। यूएन-एमएमइआईजी के अनुसार जहाँ वैश्विक स्तर पर मातृ मृत्यु दर में महज़ 48% की कमी आई, वहीं भारत ने 86% की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की है। संस्थागत प्रसव 38.7% से बढ़कर 90.6% हो चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है।

देश में बने 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी। 10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी। आज 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल का पानी पहुँच चुका है–जबकि 2014 में महज 17% परिवारों के पास यह सुविधा थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के लगभग 4 करोड़ घरों में से 73% घर महिलाओं के नाम पर हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सरकारी रिकॉर्ड्स में माँ–बहनों का नाम गर्व से दर्ज है।

गरिमा से स्वामित्व आया, और स्वामित्व ने निर्णय लेने का आत्मविश्वास दिया। आर्थिक भागीदारी का यह विस्तार बैंक खाते से शुरू होकर उद्यमिता तक पहुँचा है। लगभग 56 करोड़ जन-धन खातों में 56% खाते महिलाओं के नाम पर हैं।

विश्व बैंक मानता है– भारत ने एक दशक में खाता-स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत-मुक्त ऋणों में से 68% ऋण महिलाओं को मिले हैं। स्टैंड-अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है। निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें 'लखपति दीदियाँ' बन चुकी हैं।

यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है। देश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी वर्ष 2017-18 के 23.3% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41.7% हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह भागीदारी 47.6% तक पहुँच चुकी है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक 4.53 करोड़ खातों में 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। उच्च शिक्षा में हमारा जेंडर समानता सूचकांक (जीपीआई) 1 के पार है और डढएच् शिक्षा में बेटियों की भागीदारी 43% है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है।

यह परिवर्तन केवल अनुभवों में नहीं, एसआरएस, एनएफएचएस, पीएलएफएस, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र-हर रिपोर्ट एक ही दिशा की ओर इशारा करती है: भारतीय महिला के लिए पहुँच बढ़ी है और आत्मनिर्भरता का नया आसमान खुला है।

इसी आर्थिक-सामाजिक चेतना का विस्तार राजनैतिक और लोकतांत्रिक भागीदारी में दिख रहा है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में पहली बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया–यह वैश्विक स्तर पर महिलाओं की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी थी। इसी के फलस्वरूप दशकों से लंबित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद में ऐतिहासिक सर्वसम्मति से पास हुआ। आज जमीनी स्तर पर 14.5 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधि पंचायतों का नेतृत्व कर रही हैं। देश की रक्षा की अग्रिम पंक्ति में भी महिलाएँ राफेल उड़ा रही हैं और नौसेना की कमान संभाल रही हैं।

मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने ट्रिपल तलाक पर प्रभावी रोक लगाई, जिससे ऐसे मामलों में 82% की कमी आई है।देशभर में स्थापित 973 वन स्टॉप सेंटर्स पर संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी सहायता और काउंसलिंग मिल रही है। वूमन हेल्पलाईन-181 ने अब तक 1 करोड़ से अधिक महिलाओं की मदद की है। मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, सक्षम आँगनवाड़ी-ये नारी-नेतृत्व वाले भारत की रीढ़ हैं।

बेशक, महिला सशक्तिकरण की राह में अभी भी चुनौतियाँ हैं, जिन पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। इसके साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम आगामी परिसीमन की प्रक्रिया की प्रतीक्षा में है।

हमारे गणतंत्र के इतिहास में पहली बार भारतीय महिला अब नीति निर्धारण के पटल पर केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उसकी सक्रिय 'सह-निर्माता' है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में वह अब राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया की सहयात्री है, सहभागी है और सूत्रधार भी।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं।)

विदेश

अमेरिका ने 12 से अधिक जहाजों को ईरानी बंदरगाह क्षेत्रों से जाने की अनुमति दी

वाशिंगटन : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिकी नौसेना ने समझौते के तहत नाकेबंदी हटाते हुए ईरान के बंदरगाह क्षेत्रों से 12 से अधिक जहाजों को जाने की अनुमति दे दी है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस ने व्हाइट हाउस में प्रेस वार्ता में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब होर्मुज जलडमरूमध्य से अधिक तेल का परिवहन हो रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि बुधवार रात को उस समुद्री मार्ग से 1.25 करोड़ से अधिक बैरल तेल का परिवहन किया गया। वेंस ने कहा कि यह फरवरी के अंत में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक स्तर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका समझौते के शुरुआती चरण में अपनी जिम्मेदारी को निभा रहा है। उन्होंने इजराइल में मौजूद अमेरिका के आलोचकों को चेतावनी दी कि वे उसके पास बचे ''एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी पर हमला न करें''। उन्होंने इजराइली सरकार के सदस्यों पर तीखा हमला करते हुए चेतावनी दी कि ''डोनाल्ड ट्रंप इस समय पूरी दुनिया में एकमात्र ऐसे राष्ट्र प्रमुख हैं जो इजराइल के प्रति सहानुभूति रखते हैं।'' वेंस ने कहा कि वह ईरान समझौते पर बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन यात्रा का समय तय नहीं है। मंगलवार को दो तेल टैंकर ईरान से रवाना हुए और अमेरिकी सैन्य नाकेबंदी को पार कर गए। इस बीच, ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरान के दक्षिणी बंदरगाहों पर नौवहन सामान्य हो गया है, लेकिन साथ ही कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी निगरानी में है और ईरानी सेना के नियंत्रण में है तथा इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने के लिए अब भी समन्वय की आवश्यकता है।

यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन बाधित

मास्को : यूक्रेन ने एक हफ्ते में दूसरी बार किए गए ड्रोन हमले में रूस की राजधानी मास्को की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया और इसके कारण हवाई अड्डों पर वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन रोकना पड़ा। रूस के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चार साल से भी अधिक समय पहले शुरू हुए रूसी आक्रमण के बाद से इसे यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। हमला ऐसे समय हुआ, जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ ''बेहद महत्वपूर्ण समन्वय वार्ता'' की है। जेलेंस्की ने कहा कि फ्रांस में आयोजित 'जी-7' शिखर सम्मेलन में शामिल विश्व नेताओं से यूक्रेन को भविष्य में भी समर्थन देने के आश्वासन मिले हैं। जेलेंस्की ने कहा, ''अगर यूक्रेन जलेगा, तो मास्को भी जलेगा।'' उन्होंने दावा किया कि यह हमला रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को वार्ता की मेज पर लाने के प्रयास का हिस्सा है। जेलेंस्की ने कहा, ''अब इस युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है।'' यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज सुबह मास्को के लोगों ने सबसे आम सवालों में से एक यह है कि 'क्या हो रहा है?' मैं इसका जवाब दे सकता हूं। आपके देश ने हमारे देश के खिलाफ युद्ध शुरू किया। वर्षों से हमारे लोग मारे जा रहे हैं। अब जब आप जानते हैं कि क्या हो रहा है, तो पुतिन से पूछिए कि वे इसे कब खत्म करने की योजना बना रहे हैं।''

वर्ग पहेली नं. 3474

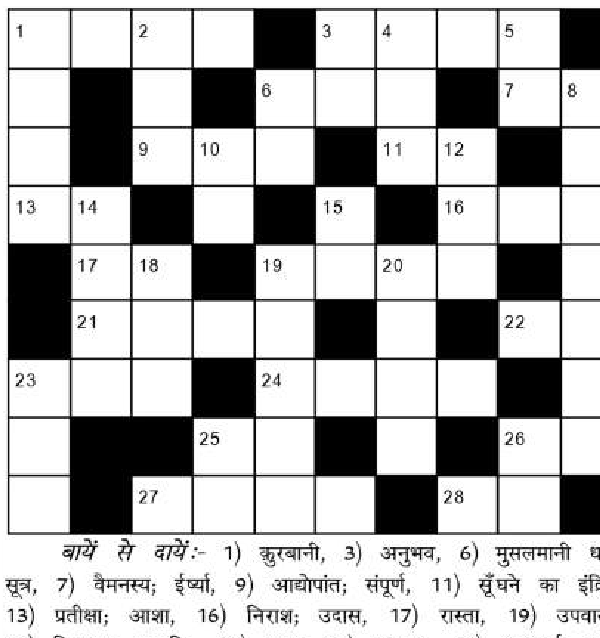

बायें से दायें:- 1) क़ुरबानी, 3) अनुभव, 6) मुसलमानी धर्म-सूत्र, 7) वैमनस्य; ईर्ष्या, 9) आद्योपांत; संपूर्ण, 11) सूँघने का इंदिय, 13) प्रतीक्षा; आशा, 16) निराश; उदास, 17) रास्ता, 19) उपवास, 21) निपटारा; समाप्ति, 22) घाटा, 23) आसान, 24) अ आ ई, 25) वीर, 26) भुजा; आस्तीन, 27) दो में से एक; दूसरा, 28) रिश्वत.

ऊपर से नीचे:- 1) शाप, 2) भोज का निमंत्रण, 3) पेंदा, 4) तरल पदार्थ को ठोस बनाना, 5) हाथ *(ताश)*; मौका, 6) धुँधला; अल्प, 8) दृष्टिपात, 10) विवादातीत; प्रचलित, 12) धनुष, 14) संपूर्णतः, 15) एक राशि, 18) कुली, 19) अविराम, 20) लजाना, 23) शिक्षा पाठ; दंड, 25) कुछ नहीं; रहित. 26) तिनके के जाति का एक लंबा, सीधा और गिरहदार पौधा.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

अ	नु	रा	ग	■	द	र	मि	या	न
र	■	ह	र	द	म	■	स	च	■
सा	त	■	मा	■	द	ल	■	ना	ती
■	र	■	ग	र	मा	ह	ट	■	र्थ
रा	ह	गी	र	■	■	क	प	ट	■
■	■	द	म	दा	र	■	का	र	ण
अ	क	ड़	■	मि	■	गु	ट	■	■
■	मी	■	प	नी	र	■	प	ना	ला
सी	ना	ज़ो	री	■	त	ह	की	का	त

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3432

				2			7	
1				9				
6	7							4
				7			5	
	6							3
8			1	3		7	6	
		6	4		2		8	
							1	
	8				3			2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सुडोकू पहेली - 3431 का उत्तर

8	4	9	1	7	6	3	5	2
7	1	3	5	2	4	9	8	6
5	6	2	9	3	8	1	7	4
4	5	6	3	9	1	8	2	7
2	7	1	8	6	5	4	9	3
3	9	8	7	4	2	6	1	5
6	2	7	4	8	9	5	3	1
1	8	4	2	5	3	7	6	9
9	3	5	6	1	7	2	4	8

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री ने राज्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम की घोषणा की

21 जून को पीएम करेंगे मुख्य कार्यक्रम में शिरकत : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य में आगामी 19 से 21 जून तक तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुरुवार को नवान्न में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान मैदान क्षेत्र में कीचड़ की आशंका को देखते हुए योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन रेड रोड पर किया जाएगा। 21 जून को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस के आयोजन के माध्यम से एक नया रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अब तक 38 हजार लोगों ने पंजीकरण कराया है और कई लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के अनुसार, 19 जून सुबह 7 बजे 'रन फॉर योगा' का आयोजन किया जाएगा। यह मैराथन कोलकाता नगर निगम मुख्यालय से राइटर्स बिल्डिंग तक निकाली जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। दूसरे दिन, 20 जून को पश्चिम बंगाल दिवस मनाया जाएगा। उसी दिन, शाम 5.30 बजे के बाद गंगा नदी पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें ड्रोन के माध्यम से योग से संबंधित आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन होगा। प्रतिभागियों को सुबह 6:15 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना होगा, जिसके बाद आयुष मंत्रालय के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार योग सत्र शुरू होगा।

इस अवसर पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जब योग दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाता है, तो वह केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र को भी सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया।

पार्टी में टूट के बाद विधानसभा में दिखी दो फाड़, अलग-अलग बैठे टीएमसी विधायक

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में विभाजन विधानसभा में गुरुवार को उस समय साफ दिखा जब पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुटों के सदस्य भाजपा नीत सरकार के पहले बजट सत्र के शुरुआती दिन अलग-अलग बैठे।

विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के खेमे से जुड़े विधायक एक ओर बैठे, जबकि पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी द्वारा नामित नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय का समर्थन करने वाले विधायक अलग बैठे। एक तरफ, 38 विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा जैसे वरिष्ठ बागी नेताओं के साथ बैठे दिखे। वहीं, दूसरी तरफ लगभग 14 विधायकों का एक और समूह बैठा था, जिसमें शोभनदेव चट्टोपाध्याय, मदन मित्रा, कुणाल घोष, रुकबानुर रहमान और अलीफा अहमद जैसे वरिष्ठ नेता शामिल थे। कभी ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री फिरहाद हकीम की ऋतब्रत खेमे में मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों में काफी ध्यान खींचा। संसदीय दल में हुई इस बगावत ने सुदीप बंद्योपाध्याय की पत्नी और चौरंगी की विधायक नैना बंद्योपाध्याय के रुख को लेकर भी उत्सुकता बढ़ा दी। गुरुवार को उन्हें ममता बनर्जी से जुड़े विधायकों के साथ बैठे देखा गया।

ममता के विधायकों को विधानसभा में अलग कमरा मिलने की संभावना

तृणमूल कांग्रेस के विधायकों के उस समूह को विधानसभा में अलग कमरा और बोलने के लिए अलग समय मिलने की संभावना है, जो ममता बनर्जी के प्रति निष्ठावान है। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। शोभनदेव चट्टोपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता कुणाल घोष ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी बैठक को सकारात्मक बताया और कहा कि विधानसभा में बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा और विधायी कार्यप्रणाली से जुड़ी उनकी चिंताओं का समाधान कर दिया गया है। शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि हमने मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ विशिष्ट मुद्दे उठाए। उन्होंने हमें उचित सम्मान दिया। सदन में हमारे बैठने की व्यवस्था, एक अलग कमरा और सुरक्षा से संबंधित मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं के अनुसार, चर्चा के दौरान शुभेंदु ने संसदीय कार्य मंत्री शंकर घोष को निर्देश दिया कि ममता बनर्जी के प्रति निष्ठावान विधायकों के लिए तुरंत एक अलग कमरा आवंटित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें विधानसभा की चर्चा में भाग लेने के लिए अलग से समय निर्धारित किया जाए। घोष ने कहा कि ममता बनर्जी के सबसे वरिष्ठ विधायक चट्टोपाध्याय को विधानसभा में बैठने की व्यवस्था में प्रमुख स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज हमने देखा कि मुख्यमंत्री अपनी निर्धारित स्थान पर बैठे थे। विपक्ष के नेता की पारंपरिक सीट शोभनदेव चट्टोपाध्याय को आवंटित की गई थी, जबकि ऋतब्रत बनर्जी की सीट कहीं और थी।

मैं इस कलह का मजा ले रहा हूं : मंत्री तापस रॉय

हालांकि, राज्य के नए उद्योग मंत्री तापस रॉय ने विपक्षी खेमे की इस आंतरिक कलह को कोई तवज्जो नहीं दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह विरोधी खेमे के इस चरम विवाद और छटपटाहट का 'जमकर मजा' ले रहे हैं। हालांकि, उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कुणाल घोष के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान विरोधी दल के नेता के लिए अलग से कोई विशेष सीट आरक्षित होती है, इसकी जानकारी कम से कम मुझे तो नहीं है।

पिछली सरकार के पास न उद्योग नीति थी, न जमीन नीति : मंत्री तापस रॉय

❑ **पूर्ववर्ती सरकार की आयोजित आठ बीजीबीएस आयोजनों पर रिपोर्ट तलब**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के नए उद्योग मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद तापस रॉय ने राज्य के औद्योगिक पिछड़ेपन और पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार की दिशाहीन नीतियों की तीखी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि आज उद्योग को लेकर सिर्फ मौजूदा राज्य सरकार ही नहीं, बल्कि खुद मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार सभी बेहद गंभीर हैं और मिलकर काम कर रहे हैं। तापस रॉय ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली टीएमसी सरकार के कार्यकाल में राज्य के पास न तो कोई स्पष्ट 'उद्योग नीति' थी और न ही कोई सही 'भूमि नीति'। जब कोई उद्योगपति या निवेशक राज्य में उद्योग लगाने आता था, तो उसे फाइलों पर हस्ताक्षर और मंजूरी के लिए महीनों सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, जिससे वे अपना उत्साह खो देते थे। वर्तमान सरकार निवेशकों के साथ इस तरह की कोई टालमटोल बर्दाश्त नहीं करेगी। इसके साथ ही उद्योग मंत्री तापस रॉय ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले 'बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट' की सच्चाई जनता के सामने लाने के लिए एक बड़े कदम की घोषणा की है। उन्होंने साफ किया कि पिछले वर्षों में हुए कुल आठ बीजीबीएस आयोजनों में असल में क्या-क्या बड़े वादे और घोषणाएं की गई थीं, उनमें से कितने काम आधे अधूरे पड़े हैं, कितने पूरे हुए और कौन सी घोषणाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गईं, इसकी पूरी रिपोर्ट उन्होंने विभाग से तलब की है।

'अंतिम संस्कार में जल्दबाजी क्यों?', आरजी कर मामले में सीबीआई ने पूर्व विधायक से की पूछताछ

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले की जांच में सीबीआई ने पूर्व तृणमूल विधायक निर्मल घोष व पूर्व स्थानीय पार्षद सोमनाथ दे से गुरुवार को न्यूटाउन स्थित अपने कार्यालय में पूछताछ की। बता दें कि सत्ता परिवर्तन के बाद मामले की जांच दोबारा शुरू होने के साथ ही सीबीआई ने इस केस में नए सिरे से पड़ताल तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कई बार निर्मल घोष का नाम सामने आया था। मृतका के माता-पिता ने भी उनके खिलाफ आरोप लगाए थे। जांच में यह आरोप सामने आया था कि

पोस्टमार्टम के बाद पीड़िता के शव को जल्दबाजी में पानीहाटी श्मशान ले जाया गया और परिवार पर अंतिम संस्कार के लिए दबाव बनाया गया था। स्वजनों का आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व तत्कालीन विधायक निर्मल घोष ने किया था। आरोप है कि वह अस्पताल से शव ले जाने के समय भी मौजूद थे और बाद में श्मशान घाट भी पहुंचे थे। पूछताछ के दौरान सीबीआई अधिकारियों ने निर्मल घोष से घटना की रात उनकी भूमिका, श्मशान जाने का कारण, वहां किसके निर्देश पर पहुंचने, पूरी प्रक्रिया के दौरान उनकी गतिविधियों तथा शव का जल्द अंतिम संस्कार कराए जाने के कारणों को लेकर कई सवाल किए। अधिकारियों ने पता लगाने की कोशिश की कि पीड़िता का अंतिम संस्कार इतनी जल्दबाजी में क्यों किया गया था तथा उस दिन श्मशान में क्या-क्या घटनाक्रम हुआ था।

हाई कोर्ट ने ममता को दिया बड़ा झटका, ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर रोक से इनकार

❑ **विधानसभा स्पीकर का फैसला फिलहाल लागू रहेगा**

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विधानसभा के अध्यक्ष रथींद्र बोस के उस फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से गुरुवार को इनकार कर दिया जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट के विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए मामले को अगली सुनवाई के लिए 28 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। हस्तक्षेप से अदालत के इनकार का प्रभावी अर्थ यह है कि विधानसभा अध्यक्ष की मंजूरी से नियुक्त बागी तृणमूल गुट के पदाधिकारी फिलहाल अपने-अपने पदों पर काम करते रहेंगे। अदालत ने याचिका में प्रतिवादियों को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति राव ने कहा कि याचिकाकर्ता को इसके बाद दो सप्ताह के भीतर उन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने का अवसर मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट से जुड़े चट्टोपाध्याय ने इस आधार पर अंतरिम आदेश दिए जाने का अनुरोध किया था कि विधानसभा का पहला सत्र गुरुवार से शुरू होना था। अदालत ने पूर्व में सुनवाई के दौरान विपक्ष के नेता और अन्य पदाधिकारियों के लिए एक ही राजनीतिक दल की ओर से दो परस्पर विरोधी प्रस्ताव मिलने पर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए थे। पीठ ने टिप्पणी की थी कि जब विधानसभा अध्यक्ष को दो प्रस्ताव मिले थे तो वह अपने कक्ष में बैठकर, सदन बुलाए बिना और दोनों गुटों से बहुमत साबित कराए बिना खुद कैसे तय कर सकते हैं कि कौन सही है और कौन गलत? अदालत ने यह भी जानना चाहा कि ऐसी परिस्थितियों में विधानसभा अध्यक्ष का क्या कर्तव्य है? क्या वह दोनों प्रस्तावों में से किसी एक पर स्वत: फैसला कर सकते हैं या उन्हें दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर देना चाहिए? न्यायाधीश ने अतिरिक्त महाधिवक्ता और विधानसभा अध्यक्ष के वकील बिल्वदल भट्टाचार्य से यह भी पूछा था कि क्या अध्यक्ष पदाधिकारियों के नामों का पहला प्रस्ताव पार्टी की ओर से भेजे जाने के बाद बागी विधायकों की आपत्ति का इंतजार कर रहे थे।

अलीपुर अदालत ने ऋतब्रत और संदीपन के पार्टी से निष्कासन पर लगाई अंतरिम रोक

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कोलकाता की अलीपुर अदालत ने विधायक ऋतब्रत बनर्जी व संदीपन साहा के निष्कासन की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि 30 जून तक इस निष्कासन के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती और न ही दोनों को पार्टी से निष्कासित बताकर प्रचारित किया जा सकता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया। साथ ही, पार्टी की ओर से किसी आंतरिक जांच के दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। ऐसे में प्रथम दृष्टया निष्कासन की प्रक्रिया उचित नहीं मानी जा सकती। इसलिए फिलहाल निष्कासन आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। गौरतलब है कि विधानसभा में हस्ताक्षर विवाद के बाद दोनों विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की थी। इसके आधार पर विधानसभा सचिवालय ने हेयर स्ट्रीट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया था कि पुलिस मंत्री के रूप में जानकारी मिलने के बाद उन्होंने मामले की जांच सीआइडी को सौंपने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी के कुछ ही मिनट बाद तृणमूल ने ऋतब्रत और संदीपन को पार्टी से निष्कासित करने की घोषणा कर दी थी। दोनों विधायकों ने अदालत में दावा किया कि उनका निष्कासन प्रतिशोध की भावना से किया गया है। उन्होंने निष्कासन आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने 30 जून तक अंतरिम राहत प्रदान की है।

हाई कोर्ट ने रेड रोड योग कार्यक्रम को दी मंजूरी, कार्यक्रम के बाद सड़क तुरंत खोलने का निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' कार्यक्रम की तैयारियों के लिए 'रेड रोड' को बंद किए जाने के दौरान यात्रियों को होने वाली परेशानी को कम करने के लिए यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था करे।'ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन' (एआईएलयू) की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने पुलिस अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद 'रेड रोड' को आम जनता के इस्तेमाल के लिए फिर से खोलने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। याचिकाकर्ता ने 14 जून से इस मशहूर सड़क को लंबे समय तक बंद किए जाने को लेकर चुनौती दी थी। अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया कि जब तक 'रेड रोड' बंद रहे, तब तक यह पक्का किया जाए कि याचिकाकर्ता संगठन के सदस्यों और आम जनता के लिए अपने काम की जगहों और अन्य गंतव्य तक पहुंचने के लिए सही वैकल्पिक रास्ते उपलब्ध रहें। अधिसूचना की वैधता को चुनौती दिए जाने का संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा कि पक्षों द्वारा हलफनामे दाखिल किए जाने के बाद इस मामले की जांच की जाएगी। अदालत ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, साथ ही याचिकाकर्ता को जवाब दाखिल करने के लिए एक अतिरिक्त सप्ताह का समय दिया। इसके बाद मामले की आगे की सुनवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने याचिकाकर्ताओं को रक्षा मंत्रालय को प्रतिवादी के तौर पर शामिल करने का भी निर्देश दिया, क्योंकि 'रेड रोड' भारतीय सेना की पूर्वी कमान की जमीन पर स्थित है।

कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

दूसरी तरफ, सरकारी कर्मचारियों की योग दिवस कार्यक्रम में कथित अनिवार्य उपस्थिति को लेकर दायर दूसरी याचिका पर भी हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने राज्य को हलफनामा देकर यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि मुख्य सचिव को ऐसी अधिसूचना जारी करने का अधिकार किस आधार पर है और कर्मचारियों की उपस्थिति को अनिवार्य क्यों बनाया गया। सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से महाधिवक्ता ने दलील दी कि यह संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा जनजागरूकता कार्यक्रम है और कहीं भी भागीदारी को अनिवार्य नहीं कहा गया है। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि योग दिवस जैसे कार्यक्रम में कर्मचारियों को बाध्य करना सेवा नियमों के अनुरूप नहीं है। इस पर, न्यायमूर्ति सिन्हा ने स्पष्ट टिप्पणी की कि किसी भी ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना या नहीं होना पूरी तरह व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की पहल अच्छी हो सकती है, लेकिन इसमें भागीदारी स्वैच्छिक ही होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की एक हल्की-फुल्की टिप्पणी भी चर्चा का विषय बनी। जब याचिकाकर्ता के वकील ने मदर्स डे और फादर्स डे का उल्लेख किया तो न्यायमूर्ति ने मुस्कराते हुए पूछा कि वैलेंटाइंस डे को कैसे भूल गए?इस टिप्पणी पर अदालत कक्ष में कुछ देर के लिए हंसी का माहौल बन गया। मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी।

NAME CHANGE

I, Bipin Kumar Kanodia, S/o.- Dayaram Kanodia, R/o.- 295, G.T. Road, VTC-Bally(M), P.O.- Belurmath, Dist.- Howrah-711202, WB, my actual name has been wrongly recorded in my Son's (Mannan Kanodia) Birth Certificate (No.-058125, Reg-620, dtd. 10.12.2010) as Bipin Kanodia in place of Bipin Kumar Kanodia. Hence it is declared hereby vide an Affidavit No. 1242, Dt.. 05.07.2025, before the Ld. Judicial Magistrate, 1st Class at Calcutta. That, Bipin Kumar Kanodia & Bipin Kanodia both are same & one identical person.

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: डब्ल्यू_एलएलएच_01_2026-27_आर2, दिनांक: 16.06.2026। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/विद्युत, कैरेज एंड वैगन वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए तकनीकी क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये ई-निविदा (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे अस्पताल, लिलुआ में नवनिर्मित ओपीडी में पूरी तरह से स्वचालित 20 पैसेंजर सह लिफ्ट बेड का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 41,58,000। **बयाना राशि:** ₹ 83,200। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 09.07.2026 को दोपहर 2.00 बजे। **वेबसाइट जहाँ निविदा का सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है: www.ireps.gov.in**।

(MISC-78/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

PWD (GOVT OF WB) TENDER

Offline Short Notice Inviting Tender No.- 32/City (M) of 2026-27 from bonafied and resourceful contractors having credential in similar urgent nature of works and as per Govt. rule. Last date & time of application for obtaining permission will be on **19.06.2026 up to 12.00 hrs.** Other details may be seen from the web site: **www.pwdwb.in**

Sd/-
Executive Engineer-I,
City Division, P.W.D.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांकः सी.ए.ओ./सी./बी.एस.पी./26-27/10
दिनांक: 12.06.2026, (ओपन ई-टेंडर) (एकल पैकेट सिस्टम)

कार्यः "बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन से संबंधित बिलासपुरर-सक्ति (BSP-SKT) खंड में, मुख्य पुल संख्या 06, 54, 59 और 66 में बोअरिंग का कार्य, आरसीसी पाइलों का ढालना और पाइलों का पार्श्व भार परीक्षण तथा संबंधित अन्य विविध सहायक कार्य।"
निविदा मूल्यः रू. 85,44,635.99/-, अमानत राशिः रू. 1,70,900.00/-, निविदा दस्तावेज की लागतः शून्य, कार्य पूरा होने की अवधिः 3 (तीन) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 07/07/2026** को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः 07/07/2026** को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, अथवा बिलासपुर-पिनः 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता/निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर- पिनः 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबंधक/पश्चिम/निर्माण/नागपुर/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर- पिनः 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण
सीपीआर/10/217 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

OFFICE OF THE PARA PANCHAYET SAMITY PARA :: PURULIA

NOTICE INVITING e-TENDER

The Notice Inviting e-Tender, vide **NIeT No.- WBPUR/EO/PARA/NIT (e)-04/2026-27 (3rd Call)** of the Office of the Para Panchayet Samity, P.O. Para, District-Purulia, 01 (One) no. work/Scheme under SBM(G) Fund in the portal : **www.wbtenders.gov.in**
1. Date of uploading of N.I.T. & other Documents (online) (Publishing Date) **-16.06.2026.** 2. Documents download/sell start date (Online)**-16.06.2026.** 3. Documents download/sell end date (Online)**-25.06.2026, 16.00 P.M.** 4. Bid submission start date (Online)**-16.06.2026.** 5. Bid submission closing (Online)**-25.06.2026, 16.00 P.M.** 6. Bid opening date for Technical Proposals (Online)**- 27.06.2026, 16.05 P.M.**

Sd/-
Executive Officer,
Para Panchayet Samity

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंज़िल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 (नीलामी आयोजित करने वाले अधिकारी) द्वारा सियालदह मंडल के काशीपुर रोड गुड्स में वर्तमान रेलवे निर्मित गोदामों का जीर्णोद्धार, परिचालन एवं रखरखाव के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी कैटलॉग प्रकाशित की गई है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:- **नीलामी कैटलॉग संख्या:** गोडाउन-जून-1। **नीलामी शुरू:** 01.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **क्र.सं.; एसईक्यू संख्या** एवं **लॉट संख्या** का विवरण निम्नानुसार हैं: **1**; एए/1; एमएसएस-एसडीएएच-सीईडी-एसटीजीईएन-112-26-1। **2**; एए/2; एमएसएस-एसडीएएच-सीईडी-एसटीजीईएन-111-26-1। **3**; एए/3; एमएसएस-एसडीएएच-सीईडी-एसटीजीईएन-114-26-1। **4** ; एए/4; एमएसएस-एसडीएएच-सीईडी-एसटीजीईएन-113-26-1 **स्टेशन:** काशीपुर रोड गुड्स (क्र.सं. 1 से 4 प्रत्येक के लिए)। भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे तत्पश्चात विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी मॉड्यूल देखें।

(SDAH-86/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/764, दिनांक: 17.06.2026। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युतीय कार्यों के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3526-आर। कार्य का नाम:** कोन्नगर, रिसड़ा, श्रीरामपुर एवं सेवड़ाफुली नामक 04 एनजीटी नामांकित स्टेशनों के लिए 40 केएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) कम रीसाइक्लिंग प्लांट का 02 वर्षों के लिए स्थापना एवं शुरुआत तथा परिचालन एवं रखरखाव के सम्बन्ध में विद्युतीय साधारण कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 11,95,742। **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** ₹ 23,900। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3557। कार्य का नाम:** डानकुनी में प्लेटफॉर्म सतह, टीटीई विश्रामालय आदि का सुधार तथा प्लेटफॉर्मों के बीच सेंट्रल ड्रेन की मरम्मत एवं निर्माण, अन्य आनुषंगिक कार्य के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 12,93,842। **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** ₹ 25,900। **पूरा करने की अवधि:** 180 दिन (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 29.06.2026 को अपराह्न 3.00 बजे(क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन में खोला जाएगा। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें।

(HWH-164/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, (न्यू डीआरएम बिल्डिंग, रेल संग्रहालय के नज़दीक, हावड़ा, पिन-711101, पश्चिम बंगाल) 03 वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग लॉट के परिचालन हेतु ठेका प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। और अधिक विवरण तथा ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के जरिये वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। **कैटलॉग संख्या: पार्क-एचडब्ल्यूएच-जेयूएन-6। नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 01.07.2026 को दोपहर 2.00 बजे। **क्रम संख्या; लॉट संख्या और स्टेशन का नाम** निम्नानुसार है: **1**; पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एचवाईजी-टीडब्ल्यू-146-26-1 (पार्किंग- टू व्हीलर) और हुगली घाट। **2**; पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एमटीएफए-टीडब्ल्यू-240-26-1 (पार्किंग- टू व्हीलर) और मेड़तला फलेया। **3**; पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-जेओएक्स-टीडब्ल्यू-288-25-1 (पार्किंग- टू व्हीलर) और जनाई रोड-I। **4** ; पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-जेआरएई- टीडब्ल्यू-124-26-2 (पार्किंग- टू व्हीलर) और जौग्राम-I। **5**; पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-सीजीआर-टीडब्ल्यू-302-26-1 (पार्किंग- टू व्हीलर) और चंदननगर। **6**; पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एमएसएई-टीडब्ल्यू-128-26-1 (पार्किंग- टू व्हीलर) और मसाग्राम।

(HWH-162/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना, सिविल इन्जीनियरिंग, कोटा मण्डल
संख्या-डब्ल्यू/623/15 दिनांक: 16.06.2026

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवम उनकी ओर से वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई. निविदा आमंत्रित करते है।, **टेंडर सख्या**- 107/2026 आर, **कार्य का विवरण**-भरतपुर मथुरा सेक्शनः बाइडिनिंग एण्ड रिपेयर्स टू सेश एण्ड स्लोप ऑफ बैंक बिटविन जाजनपट्टी - मथुरा स्टेशनस अण्डर दी जुरिसडिक्शन ऑफ एडीईन/भरतपुर इन कनेक्शन विद 160 कि.मी.पी.एच स्पीड रेजींग ऑफ नागदा-मथुरा सेक्शन., **अनुमानित लागत**-14826268.63, **बयाना राशि**- 296500.00, **टेण्डर भरने की अंतिम तिथि एवं समय**- 30.06.2026 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर सख्या**- 108/2026, **कार्य का विवरण**- कोटा-मथुरा सेक्शनः प्रोविजन ऑफ आरसीसी ड्रेन इन कनेक्शन इम्प्रूवमेंट टू यार्ड एट वेरियस स्टेशनस अण्डर दि जूरिस्डिक्शन ऑफ सीनियर डीईएन/नार्थ/कोटा, **अनुमानित लागत**- 45915387.45, **बयाना राशि**- 918300.00, **टेण्डर भरने की अंतिम तिथि एवं समय**- 30.06.2026 को 15:30 घंटे पर , **टेंडर सख्या**- 109/2026, **कार्य का विवरण**- सीनियर डीईएन नार्थ सेक्शन इम्प्रूवमेंट ऑफ लीकी रुफ ऑफ स्टाफ क्वार्टरस इन गंगापुरसिटी-मथुरा सेक्शन, **अनुमानित लागत**- 9439278.29, **बयाना राशि**- 188800.00, **टेण्डर भरने की अंतिम तिथि एवं समय**- 30.06.2026 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर सख्या**- 110/2026, **कार्य का विवरण**- इम्प्रूवमेंट ऑफ लीकी रुफ ऑफ स्टाफ क्वार्टरस इन स्टाफ क्वार्टरस ऑफ वेरियस सेक्शन इन कोटा रुठियाई (18 नo कोटा डब्लयूआरएस कॉलोनी, कोटा ओल्ड कॉलोनी, कोटा न्यू कॉलोनी एण्ड कोटा लोको कॉलोनी, कोटा-लबान सेक्शन, कोटा रुठियाई सेक्शन), **अनुमानित लागत**- 9460869.09, **बयाना राशि**- 189200.00, **टेण्डर भरने की अंतिम तिथि एवं समय**- 07.07.2026 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर सख्या**- 111/2026, **कार्य का विवरण**-कोटा-ऑग्मेन्टेशन ऑफ एमडीडीटीआई वाय प्रोवाइडिंग हॉस्टल एकोमोडेशन, रिक्रिएशन हॉल, लैब/मॉडल रुम फेसिलीटिज, **अनुमानित लागत**-14983376.26, **बयाना राशि**- 299700.00, **टेण्डर भरने की अंतिम तिथि एवं समय**- 07.07.2026 को 15.30 घंटे पर, पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई. निविदा में तथा वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय पश्चिम मध्य रेलवे कोटा मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय की कार्यलेखा शाखा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

हस्ता.
वरिष्ठ मडंल इंजीनियर समन्वय, पश्चिम मध्य रेल, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

हावड़ा मंडल के तहत ईएमयू स्पेशल ट्रेनें

तारकेश्वर में **दिनांक 20.06.2026 (शनिवार)** को यात्रियों/आगंतुकों की प्रत्याशित भारी भीड़ को संभालने के लिए, निम्नलिखित ईएमयू स्पेशल ट्रेनें नीचे दी गई अनुमानित समयसूची के अनुसार चलेंगी। ये सभी स्पेशल ट्रेनें मार्ग में सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

03063 हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू स्पेशल	03066 तारकेश्वर-सेवड़ाफुली ईएमयू स्पेशल	03065 सेवड़ाफुली-तारकेश्वर ईएमयू स्पेशल	स्टेशन	03067 तारकेश्वर-आरामबाग ईएमयू स्पेशल	03068 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू स्पेशल	03069 तारकेश्वर-गोघाट ईएमयू स्पेशल	03070 गोघाट-तारकेश्वर-ईएमयू स्पेशल
--	--	--	गोघाट	--	--	आ. 11.08	↓ प्र. 11.20
--	--	--	आरामबाग	आ. 08.00	↓ प्र. 08.07	आ. 10.55 प्र. 10.56	आ. 11.30 प्र. 11.31
--	--	--	मायापुर	आ. 07.42 प्र. 07.50	आ. 08.17 प्र. 08.18	आ. 10.41 प्र. 10.45	आ. 11.41 प्र. 11.44
आ. 09.12	प्र. 09.45 ↓	आ. 11.45	तारकेश्वर	↑ प्र. 07.20	आ. 08.39	↑ प्र. 10.21	आ. 12.10
आ. 08.23 प्र. 08.25	आ. 10.35	प्र. 10.48 ↑	सेवड़ाफुली	--	--	--	--
प्र. 07.45 ↑	--	--	हावड़ा	--	--	--	--

विशेष व्यवस्था: 37361 अप हावड़ा - आरामबाग ईएमयू लोकल की यात्रा का विस्तार **दिनांक 20.06.2026** को **गोघाट** तक किया जाएगा और यह गोघाट से 12.20 बजे वापस चलेगी एवं 37362 डाउन के मार्ग का अनुसरण करते हुए हावड़ा तक चलेगी।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चार जिलों में नए मेडिकल कॉलेज व स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार की तैयारी शुरू

❑ स्वास्थ्य विभाग ने जमीन चिह्नित करने का दिया निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों तक उन्नत चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र को व्यापक बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को पूरा करते हुए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य सरकार ने राज्य के चार अत्यंत महत्वपूर्ण जिलों कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और पश्चिम बर्दवान में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नए सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के नीतिगत प्रस्ताव को प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। नवान्न

(सचिवालय) द्वारा इस वृहद परियोजना को हरी झंडी दिए जाने के तुरंत बाद, स्वास्थ्य विभाग ने इन क्षेत्रों में आवश्यक भूमि की पहचान कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को जल्द से जल्द केंद्रीय मंजूरी के लिए भेजने की प्रक्रिया को अत्यंत तीव्र कर दिया है। इस महत्वपूर्ण पहल को अमलीजामा पहनाने के लिए पश्चिम बंगाल मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूबीएमएससीएल) ने प्राथमिक तौर पर दक्षिण दिनाजपुर (बालुरघाट), अलीपुरद्वार और पश्चिम बर्द्धमान के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमओएच) को एक कड़ा दिशा-निर्देश जारी किया है।

इसके तहत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा निर्धारित कड़े मानकों के अनुसार उपयुक्त और विवाद-मुक्त भूमि का पूरा विवरण मांगा गया है। इस योजना के प्राथमिक चरण में इन तीन प्रमुख जिलों में 100-100 एमबीबीएस सीटों की प्रवेश क्षमता वाले नए शिक्षण संस्थान और अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। गुरुवार को जारी की गई इस आधिकारिक निर्देशिका के नियमों के अनुसार, प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज, संबद्ध शिक्षण अस्पताल और छात्र-इंटर्न के लिए छात्रावास का निर्माण या तो एक ही एकीकृत परिसर में होना चाहिए या फिर अधिकतम दो परिसरों के बीच की दूरी 10 किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, इस योजना के तहत संबद्ध शिक्षण अस्पताल में न्यूनतम 420 बेड की क्षमता और साल भर औसतन 80 प्रतिशत बेड अक्यूपेंसी होना अनिवार्य शर्त है। यदि मौजूदा सरकारी जिला अस्पतालों के पास पर्याप्त भूमि की कमी पाई जाती है, तो अधिकारियों को अस्पताल के 10 किलोमीटर के दायरे में कम से कम 20 एकड़ सरकारी भूमि चिह्नित करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही, स्वास्थ्य विभाग पातीपुकुर टीबी अस्पताल के पूर्ण अधिग्रहण, आइआइटी खड़गपुर परिसर के भीतर स्थित श्यामाप्रसाद मुखर्जी अस्पताल को पूर्ण मेडिकल कालेज का दर्जा देने तथा ग्रामीण अंचलों में 200 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अत्याधुनिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाने की एक व्यापक रूपरेखा पर काम कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सीबीआई ने 2021 के चुनाव के बाद कूचबिहार में हुई हिंसा के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

कूचबिहार : केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद कूचबिहार के शीतलकूची में हुई हिंसा के दौरान भाजपा कार्यकर्ता माणिक मैत्रा की हत्या के मामले में गुरुवार को उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी से एक भगोड़े अपराधी को गिरफ्तार किया। एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी। सीबीआई ने दावा किया कि आरोपी श्यामल बर्मन प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से फरार था और उसने कभी जांच या मुकदमे का सामना नहीं किया। बयान के अनुसार, एजेंसी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया था। सीबीआई ने कहा कि बर्मन को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि दो मई 2021 को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद अज्ञात लोगों ने शीतलकूची में भाजपा कार्यकर्ता मैत्रा पर लोहे की रॉड से हमला किया था। प्राथमिकी के अनुसार, हमलावरों ने उन्हें गोली भी मारी थी। इसके बाद, उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां अगले दिन उनकी मौत हो गई।

टीसीएस को टॉटोनम हॉटस्पर ने अपना डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पार्टनर चुना

कोलकाता : टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने टॉटोनम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। क्लब ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पार्टनर होने के नाते, टीसीएस फैंस को क्लब के साथ जोड़ने, क्लब के कामकाज और उनके पूरे डिजिटल इकोसिस्टम के लिए उन्नत समाधान प्रदान करेगी। टॉटोनम हॉटस्पर के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर रायन नोरिस ने कहा, हम क्लब में जो डिजिटल बदलाव कर रहे हैं, उसका बड़ा मकसद अपने फैंस के साथ रिश्ता मज़बूत करना है। टीसीएस ग्रोथ मार्केट्स के प्रेसिडेंट गिरीश रामचंद्रन ने कहा, हम टॉटोनम हॉटस्पर के साथ जुड़कर बेहद खुश हैं। इस क्लब का इतिहास शानदार है और दुनिया भर में इसके बहुत सारे फैंस हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों को लेकर अलीपुर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिलाधिकारी अभिषेक कुमार तिवारी ने योग के महत्व और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

इसुजु मोटर्स इंडिया ने शुरू किया 'आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैंप'

कोलकाता, समाज्ञा : इसुजु मोटर्स इंडिया ने अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं और सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से देशव्यापी 'इसुजु आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैंप' की शुरुआत की है। यह विशेष अभियान 18 से 24 जून 2026 तक देशभर में स्थित इसुजु के सभी अधिकृत डीलर सर्विस आउटलेट्स पर आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य मानसून से पहले वाहनों की आवश्यक जांच और रखरखाव सुनिश्चित करना है, ताकि ग्राहकों को बारिश के मौसम में परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव मिल सके। इस कैंप के दौरान ग्राहकों को 37 बिंदुओं पर वाहन की निशुल्क जांच के साथ आकर्षक ऑफर्स का लाभ मिलेगा। कैंप में लेबर चार्ज पर 10 प्रतिशत, पार्ट्स तथा ल्यूब एवं फ्लूइड्स पर 5 प्रतिशत, रिटेल रोडसाइड असिस्टेंस (आरएसए) सेवाओं पर 20 प्रतिशत और प्रोकेयर पर 5 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। यह प्री-मानसून कैंप देश के प्रमुख शहरों और राज्यों में स्थित इसुजु के सभी अधिकृत सर्विस सेंटरों पर आयोजित किया जा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस के विधायकों ने ममता की सुरक्षा के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से की मुलाकात

❑ शुभेंदु ने कहा... 'सुरक्षा में कोई कटौती नहीं, नहीं मिलेंगे पसंद के सुरक्षा कर्मी'

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के छह विधायकों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात कर पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को पूर्व में उपलब्ध कराये गये सुरक्षा कर्मियों की बहाली की मांग की। इन विधायकों ने साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं के कथित उत्पीड़न तथा फेरीवालों को हटाए जाने के मुद्दे भी उठाए। राज्यपाल के विधानसभा में अभिभाषण के तुरंत बाद, विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री के कक्ष में आयोजित इस बैठक में ममता बनर्जी के पति वफादार माने जाने वाले विधायक कुणाल घोष, शोभनदेव चट्टोपाध्याय, मदन मित्रा, अशोक देब, रहीम बॉक्सी और रुकबानुर रहमान शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार विधायकों ने शुभेंदु से ममता बनर्जी की सुरक्षा में तैनात कर्मियों के हालिया फेरबदल पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि लंबे समय से सेवा दे रहे उनकी सुरक्षा टीम के कुछ सदस्यों को बदल दिया गया है। इस पर, प्रतिक्रिया देते हुए शुभेंदु ने कहा कि ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को अब भी वही 'जेड-प्लस' सुरक्षा प्राप्त है। स्वीकृत बल से एक भी सुरक्षा कर्मी नहीं हटाया गया है।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकारी सुरक्षा व्यवस्था को किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद के अनुसार बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि यहां तक कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सुरक्षा कर्मी भी स्थायी नहीं होते। मेरे अपने पीएसओ भी स्थायी नहीं हैं। सरकारी सुरक्षा तैनाती को व्यक्तिगत पसंद के आधार पर नहीं किया जा सकता।

तृणमूल प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

सूत्रों ने बताया कि बैठक में विभिन्न जिलों में तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई का भी उल्लेख किया गया। कुणाल घोष ने मुख्यमंत्री से कहा कि कई जमीनी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित रूप से पुलिस कार्रवाई की जा रही है और ऐसे मामले दर्ज किए जा रहे हैं जिन्हें पार्टी राजनीतिक रूप से प्रेरित मानती है। तृणमूल प्रतिनिधिमंडल ने हालिया अतिक्रमण रोधी अभियानों पर भी चिंता जताई और मांग की कि ऐसी किसी भी कार्रवाई से पहले फेरीवालों का पर्याप्त पुनर्वास हो व उन्हें समय दिया जाए। बैठक से बाहर निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि पार्टी ने विधानसभा में बैठने की व्यवस्था, कार्यालय स्थान और विधायकों को चर्चा में भाग लेने के अवसरों से जुड़े मुद्दों पर भी स्थिति स्पष्ट किये जाने की मांग की।

योग दिवस से पूर्व आयोजित उत्सव और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के तहत राज्य मंत्री उमेश राय, विधायक संजय सिंह, विधायक रूद्रनील घोष, भाजपा नेता मनोज पांडे, जयंत गुप्ता समेत अन्य ने योगाभ्यास किया

अभिषेक बनर्जी की मौसी के घर पहुंची सीआईडी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य पुलिस की सीआईडी ने गुरुवार को एक बार फिर कालीघाट स्थित हरीश चटर्जी स्ट्रीट में छापेमारी की। इस बार, जांच एजेंसी पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बहन तथा तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की बुआ रीना गायेन के घर पहुंची। सीआईडी की टीम दोपहर करीब 1:50 बजे घर पहुंची और लगभग एक घंटे तक वहां जांच-पड़ताल करने के बाद 3 बजे से पहले लौट गई। यह कार्रवाई विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अभिषेक बनर्जी की उस विवादित टिप्पणी से जुड़े मामले में की गई, जिसमें उन्होंने चार मई को मतगणना के बाद डीजे बजाने की बात कही थी। रीना गायेन की पुत्री अदिति गायेन को अभिषेक बनर्जी के विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से देखा जाता रहा है। बताया जाता है कि वह अभिषेक की इंटरनेट मीडिया गतिविधियों के संचालन और कार्यक्रमों के समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जाली हस्ताक्षर विवाद : अब सीआईडी कल्याण बनर्जी से करना चाहती है पूछताछ

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के भीतर छिड़ा आंतरिक राजनीतिक घमासान अब कानूनी गलियारों में एक बेहद गंभीर विवाद में तब्दील हो गया है। 'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ अधिवक्ता और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्य सीआईडी द्वारा उन्हें पूछताछ के लिए फोन किए जाने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इस पुलिसिया कार्रवाई को एक सांसद और अदालत में केस लड़ रहे एक सीनियर एडवोकेट के विशेषाधिकारों और गरिमा पर सीधा हमला करार दिया है। कल्याण बनर्जी ने बताया कि जिस दिन कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पीकर के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार किया, उसी दिन दोपहर में सीआईडी के एक अधिकारी ने उन्हें फोन कर इस जालसाजी मामले में पूछताछ करने की इच्छा जताई। इतना ही नहीं, जब वे घर पर नहीं थे, तब कुछ पुलिस अधिकारी उनके आवास पर भी पहुंचे थे। इस कार्रवाई से नाराज कल्याण बनर्जी ने मीडिया से बात करते हुए साफ किया कि उनका इस आपराधिक मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले में सिर्फ अदालत के सामने कानूनी बहस कर रहा हूं। मैं कोई विधायक नहीं हूं और न ही मैंने उस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। जिन लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं, उनके बारे में रिट याचिका में पहले ही चर्चा हो चुकी है। अगर पुलिस को कुछ कहना था, तो वे अदालत के सामने अपनी बात रख सकते थे।

दिनहाटा में गिरफ्तार पूर्व मंत्री उदयन गुहा पर फेंके गए अंडे और जूते, सात दिनों की पुलिस हिरासत

कूचबिहार : जिले के दिनहाटा में गुरुवार को एक अभूतपूर्व और तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली, जब तृणमूल कांग्रेस के पूर्व मंत्री उदयन गुहा को थाने से बाहर लाते समय उग्र भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। भीड़ ने उन पर सड़े अंडे और जूते फेंक दिए, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, उदयन गुहा को बुधवार को कोलकाता के फूलबागान स्थित उनके आवास से कूचबिहार पुलिस ने धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के मामले में गिरफ्तार किया था। गुरुवार को उन्हें सड़क मार्ग से दिनहाटा थाने लाया गया। उनकी गिरफ्तारी की खबर फैलते ही सुबह से ही थाने के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पहले ही एहतियातन थाने का गेट बंद कर दिया और लॉकअप के सामने प्रिजन वैन खड़ी कर दी। पूर्व मंत्री को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पुलिस ने उन्हें हेलमेट पहनाया और कड़ी सुरक्षा के बीच वाहन तक ले जाया गया। लेकिन, जैसे ही प्रिजन वैन थाने के बाहर निकली, भीड़ ने चारों ओर से अंडे और जूते फेंकना शुरू कर दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद, इलाके में भारी संख्या में केंद्रीय बलों को तैनात किया गया। केंद्रीय बलों की कड़ी सुरक्षा के बीच पहले उदयन गुहा को दिनहाटा महकमा अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान कूचबिहार पुलिस ने उदयन गुहा के लिए 14 दिन की पुलिस हिरासत की मांग की थी। पुलिस का कहना था कि मामले में कई पहलुओं की जांच की जानी है और पूछताछ के लिए हिरासत जरूरी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उन्हें सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। केस की अगली सुनवाई 25 जून को होगी।

अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज ने मनाई महाराणा प्रताप जयंती

कोलकाता : अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज की तरफ से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर गारुलिया के महाराणा प्रताप उद्यान स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर भव्य समारोह आयोजित किया जिसमें जगदल के विधायक डॉ राजेश कुमार एवं नोआपाड़ा के पूर्व विधायक सुनील सिंह बतौर विशेष अतिथि उपस्थित थे। डॉ राजेश कुमार ने महाराणा प्रताप के जीवन-आदर्श पर विस्तार से प्रकाश डाला। समाज के मुख्य संरक्षक ठाकुर जय प्रकाश सिंह ने युवा पीढ़ी को महाराणा प्रताप के जीवन-आदर्श से प्रेरणा लेने की जरूरत बताई। राजस्थान परिषद के महामंत्री अरूण प्रकाश मल्लावत ने भी अपने विचार रखे। समाज के अध्यक्ष शेखर सिंह ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मौके पर भाजपा जिला सचिव कुंदन सिंह ने उद्यान के सौंदर्यीकरण पर जोर दिया। समाज के उपाध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अशोक कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, रमेश, रामबाबू, ओम प्रकाश गिरी, संदीप सिंह व राहुल कुमार सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

इस अवसर पर शिव शंकर सिंह, आरपी सिंह, श्रीप्रकाश सिंह, सारनाथ सिंह, विजय सिंह, अशोक सिंह (अधिवक्ता), प्रभात सिंह, अरुण कुमार सिंह, सुधीर सिंह, रामा शंकर सिंह, गोपाल सिंह, अक्षयवर सिंह, केके सिंह, जनक सिंह, अरुण सिंह, बीएन पाठक, रमेश सिंह, रोहित सिंह, अंकित सिंह, ब्रह्मानंद सिंह, विक्रम सिंह, पप्पू सिंह (मेमारी), तनुश्री सिंहराय (कृष्णानगर), अजय सिंह, विनोद सिंह, धनंजय सिंह, सुजीत सिंह, दिलीप सिंह, देवेंद्र सिंह, शंकर सिंह, सुधीर सिंह, सत्येंद्र सिंह, सुनील सिंह, शिवजी सिंह, हेमंत कुमार सिंह, गोराचंद सिंहराय, सायंतन सिंहराय, विमल कुमार सिंह, राधेश्याम सिंह, उमेश सिंह, शैलेंद्र सिंह, अशोक कुमार सिंह सहित अन्य सदस्य व विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

न्यूज अपडेट

पश्चिम बंगाल में बैंक धोखाधड़ी के तीन मामलों में सीबीआई की छापेमारी

कोलकाता, समाज्ञा : सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को कथित रूप से 191 करोड़ रुपये का चूना लगाने से जुड़े तीन अलग-अलग बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच के सिलसिले में कोलकाता में आठ स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई 17 जून को टैंटिया कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, ब्रह्म अलॉयज लिमिटेड और अमृत फीड्स लिमिटेड से जुड़े मामलों में की गई। टैंटिया कंस्ट्रक्शन लिमिटेड पर पीएनबी से लिए गए कैश क्रेडिट और टर्म लोन के माध्यम से 73 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। जांच में सामने आया है कि कंपनी ने कथित तौर पर ऋण राशि को अपनी सहयोगी और संबद्ध कंपनियों की दीर्घकालिक पूंजीगत जरूरतों में लगाया तथा विभिन्न खातों के जरिए धनराशि का डायवर्जन किया। ब्रह्म अलॉयज लिमिटेड के खिलाफ 58 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। आरोप है कि कंपनी ने समूह की अन्य इकाइयों में निवेश, विभिन्न बैंकों में खाते संचालित करने और लेखा पुस्तकों में हेरफेर कर बैंक निधि का दुरुपयोग किया। वहीं, अमृत फीड्स लिमिटेड पर 60 करोड़ रुपये की ऋण राशि के गबन और दुरुपयोग का आरोप है। सीबीआई के मुताबिक कंपनी ने व्यवसाय संचालन के लिए प्राप्त बैंक धनराशि को कथित रूप से अपनी सहयोगी कंपनियों के लाभ के लिए मोड़ दिया और ऋणदाताओं की अनुमति के बिना अपनी संपत्तियां भी बेच दीं। तीनों मामलों में कंपनियों के निदेशकों के आवासों पर तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। सीबीआई ने बताया कि बरामद दस्तावेजों की जांच की जा रही है तथा मामलों में आगे की कार्रवाई जारी है।

अध्यात्म जगत के विशिष्ट रचनाकार रविन्द्र केजरीवाल 'रवि' पंचतत्व में विलीन

कोलकाता : आध्यात्म जगत को अपनी अनेकानेक अमर रचनाओं से धन्य करने वाले महान रचनाकार रविन्द्र केजरीवाल 'रवि जी' के पार्थिव शरीर को आज (18 जून) सुबह कुम्हारटोली स्थित काशी मित्रा घाट पर अनेक श्याम प्रेमियों, भजन प्रवाहकों, समाजसेवियों व मित्र-परिजनों की उपस्थिति में जय श्री श्याम के उद्घोष के मध्य पंचतत्व में विलीन कर दिया गया। श्याम जगत के अनन्य श्याम भक्तों में शुमार, कोलकाता में श्याम भक्तों की अन्यतम संस्था जय श्री श्याम सेवा संघ के अध्यक्ष 67 वर्षीय रविजी का बुधवार (17 जून) की शाम उत्तर कोलकाता के एक निजी नर्सिंगहोम में देहावसान हो गया। सोमवार को गंभीर रूप से अस्वस्थ होने पर उन्हें यहां भर्ती करवाया गया था। कोलकाता से खाटूधाम तक श्री श्याम अखण्ड ज्योति पाठ के सामूहिक आयोजनों के प्रेरणास्रोत रवि जी ने सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों के खिलाफ भी अपनी लेखनी के माध्यम से सदा अपनी समाज को जागरूक करने का काम किया।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय (हायर सेकेंडरी) परिसर में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में करीब 400 विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लेकर योग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रेक्षा ध्यान समूह की सदस्य अंजु कोठारी, सुनीता जैन और नीतू सेठिया तथा छात्र वर्ग के अध्यक्ष प्रकाश चंद नाहर उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों को विभिन्न योगिक क्रियाओं, आसनों, प्राणायाम एवं हास्य योग का अभ्यास कराया। साथ ही योग के महत्व और उसके स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग अपनाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि खेल-कूद के साथ योग शिक्षा को भी विशेष महत्व दिया जाता है तथा नियमित योग कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापिका पूनम सिंह ने अतिथियों, शिक्षकों एवं उपस्थित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अद्वित ज्वेल्स का आईपीओ 23 जून से खुलेगा, प्राइस बैंड 130-138 रुपये तय

कोलकाता, समाज्ञा : जयपुर स्थित आभूषण निर्माता अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 जून 2026 को निवेशकों के लिए खुलेगा और 25 जून 2026 को बंद होगा। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 130 रुपये से 138 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। निवेशक न्यूनतम 100 इक्विटी शेयरों तथा उसके बाद 100 के गुणकों में बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के तहत 1.19 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू जारी किया जाएगा। इश्यू से प्राप्त राशि में से 65 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने और 65 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में खर्च किए जाएंगे, जबकि शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग होगी। कुंदन, पोल्की और डायमंड ज्वेलरी के लिए प्रसिद्ध कंपनी ने दिसंबर 2025 तक के नौ महीनों में 123.79 करोड़ रुपये का राजस्व और 25.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। गुरुवार को कोलकाता में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी गयी, इस दौरान नितिन गिलारा - चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रतीक गिलारा - होल-टाइम डायरेक्टर, कृष्ण वर्धन गिलारा - नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, दीपेश शर्मा - चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर व अशोक होलानी - डायरेक्टर, होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित रहे।

बउबाजार बम विस्फोट : 69 मौतों के दोषी की समयपूर्व रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची बंगाल सरकार

❑ दिल्ली हाई कोर्ट ने उम्र और अच्छे आचरण पर राशिद खान की रिहाई का आदेश दिया

कोलकाता, समाज्ञा : वर्ष 1993 के कोलकाता के बउबाजार बम विस्फोट मामले में 69 लोगों की मौत के दोषी मोहम्मद राशिद खान की समयपूर्व रिहाई के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राज्य सरकार का कहना है कि आतंकवाद जैसे जघन्य अपराध में दोषसिद्ध व्यक्ति को समय से पहले रिहा करना पीड़ितों और उनके स्वजन के साथ अन्याय होगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहन की पीठ के समक्ष राज्य सरकार की ओर से मामले का उल्लेख करते हुए शीघ्र सुनवाई की मांग की गई। सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि यह अत्यंत गंभीर मामला है और 22 जून को इस पर सुनवाई की जानी

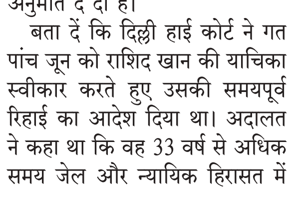

चाहिए। उन्होंने दलील दी कि राज्य के स्टेट सेंटेंस रिव्यू बोर्ड (एसएसआरबी) ने कई बार राशिद खान की समयपूर्व रिहाई की सिफारिश को खारिज किया था, लेकिन इसके बावजूद दिल्ली हाई कोर्ट ने उसकी रिहाई का आदेश दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की अनुमति दे दी है।

बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने गत पांच जून को राशिद खान की याचिका स्वीकार करते हुए उसकी समयपूर्व रिहाई का आदेश दिया था। अदालत ने कहा था कि वह 33 वर्ष से अधिक समय जेल और न्यायिक हिरासत में बिता चुका है। उसकी आयु 77 वर्ष है तथा वह उम्रजनित कई बीमारियों से पीड़ित है। अदालत ने उसके अच्छे आचरण और जेल व्यवस्था के सुधारात्मक सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा था कि सजा का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि दोषी के सुधार का अवसर देना भी है। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च 1993 की रात कोलकाता के बउबाजार क्षेत्र में भीषण विस्फोट हुआ था। यह धमाका मुंबई सिलसिलेवार बम विस्फोट के चार दिन बाद हुआ था। जांच में सामने आया था कि स्थानीय डॉन राशिद खान द्वारा अवैध रूप से रखे गए भारी मात्रा में विस्फोटकों में विस्फोट हुआ था। इस हादसे में 69 लोगों की मौत हो गई थी और कई इमारतें ध्वस्त हो गई थीं। वर्ष 2001 में राशिद खान को भारतीय दंड संहिता, विस्फोटक अधिनियम और टाडा के तहत दोषी ठहराया गया था।

इमरजेंसी नहीं, निजी कारणों से खींची गई चेन, मई में 86 ट्रेनें हुईं प्रभावित, 58 गिरफ्तार

❑ देर से जागने, गलत ट्रेन में चढ़ने जैसे अजीब कारणों से खींची गई इमरजेंसी चेन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के मामलों को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं। मई 2026 के दौरान यात्रियों द्वारा बिना किसी वास्तविक आपात स्थिति के चेन खींचे जाने के कारण 86 ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। इन घटनाओं के चलते कई ट्रेनों को विभिन्न स्थानों पर रोकना पड़ा, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इन मामलों में आरपीएफ ने कार्रवाई करते हुए 58 लोगों को गिरफ्तार किया है। पूर्व रेलवे द्वारा 1 से 31 मई 2026 के बीच एकत्रित आंकड़ों के अनुसार आसनसोल और हावड़ा मंडल सबसे अधिक प्रभावित रहे, जबकि मालदह और सियालदह मंडल भी इससे अछूते नहीं रहे। आरपीएफ की जांच में पता चला कि आसनसोल और मालदह मंडल में चार-चार यात्रियों ने केवल इसलिए चेन खींच दी क्योंकि ट्रेन उनके गांव या घर के पास से गुजर रही थी और वे निर्धारित स्टेशन तक जाने के बजाय वहीं उतरना चाहते थे। वहीं, आसनसोल में तीन और हावड़ा में दो यात्रियों ने नींद खुलने में देरी होने पर अपना स्टेशन छूटता देख चेन खींच दी। कई मामलों में यात्रियों ने असावधानी भी सामने आई। आसनसोल में आठ तथा सियालदह में दो मामलों में यात्रियों ने गलती से एसीपी हैंडल छू दिया, जबकि आसनसोल में दो यात्रियों ने अपना भारी सामान सीधे इमरजेंसी लीवर पर टांग दिया, जिससे चेन सक्रिय हो गई। इसके अलावा, आसनसोल में दो लोग रिश्तेदारों को विदा करने के लिए ट्रेन में चढ़े थे, लेकिन ट्रेन चलने के बाद उतर नहीं सके और उन्होंने चेन खींच दी।

इन घटनाओं के कारण पूरे नेटवर्क में ट्रेनों की समयबद्धता प्रभावित हुई। आसनसोल मंडल में एक ट्रेन को औसतन 13 मिनट, हावड़ा में 14 मिनट तथा मालदह और सियालदह मंडल के कुछ खंडों में औसतन 17 मिनट तक ट्रेनों को रोके रखना पड़ा। सबसे अधिक 32 ट्रेनें आसनसोल मंडल के सीतारामपुर जंक्शन-झाझा खंड में प्रभावित हुईं। हावड़ा मंडल में 22 और सियालदह मंडल में 5 ट्रेनों को रोकना पड़ा। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पूर्व रेलवे और आरपीएफ ने मई माह में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 72 आपराधिक मामले दर्ज किए गए और 58 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें आसनसोल मंडल में 37 मामले दर्ज कर 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया, हावड़ा में 22 मामले दर्ज कर 13 लोगों को पकड़ा गया, मालदह में 9 मामलों में 8 गिरफ्तारियां हुईं, जबकि सियालदह में दर्ज चारों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूर्व रेलवे ने लोगों को याद दिलाया कि रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 141 के तहत अलार्म चेन पुलिंग केवल वास्तविक आपात स्थिति में ही की जा सकती है। बिना अनुमति चेन खींचना दंडनीय अपराध है, जिसके लिए एक वर्ष तक की कैद, एक हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों में निगरानी और सख्त कर दी है ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा, अनधिकृत रूप से अलार्म चेन न खींचें और ट्रेनों की समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

न्यूज ब्रीफ

शुभेंदु सरकार ने आईटीबीपी और बीएसएफ को 106 एकड़ जमीन देने की मंजूरी

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य की नई भाजपा सरकार ने एक बार फिर बड़ा फैसला लिया है। राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) ने गुरुवार को सिलीगुड़ी में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को 100 एकड़ एवं नदिया और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को छह एकड़ सरकारी भूमि हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में राज्य विधानसभा में हुई इस बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस जमीन का उपयोग नई सीमा चौकियों (बीओपी) के निर्माण और सीमा पर बाड़बंदी के कार्य में किया जाएगा, जिससे घुसपैठ और तस्करी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

श्रीकांत घोष बने समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष

हावड़ा : श्रीकांत कुमार घोष समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है। पार्टी के इस फैसले पर श्रीकांत घोष ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेवारी सौंपी है, उसे निभाने की वह पूरी कोशिश करेंगे। बंगाल में समाजवादी पार्टी का संगठन मजबूत हो, इसके लिए वह युवाओं को अपने साथ जोड़ेंगे। भाजपा के खिलाफ आंदोलन करने के लिए क्या वह तृणमूल कांग्रेस का साथ लेंगे कि नहीं, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा को रोकने के लिए सभी दलों को एक साथ होने की जरूरत है। सभी दलों के कार्यकर्ता एक साथ मिलकर आंदोलन करेंगे। वहीं, रामगोपाल यादव को राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव बनाया गया है।

पद्मपुकुर जल परियोजना में तकनीकी खराबी से जलापूर्ति प्रभावित, दोपहर से सेवा बहाल

हावड़ा, समाज्ञा : पद्मपुकुर जल परियोजना के पंप से जुड़े पैनल बोर्ड में तकनीकी खराबी आने के कारण गुरुवार सुबह हावड़ा नगर निगम और बाली नगरपालिका के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित रही। हालांकि, रातभर चले मरम्मत कार्य के बाद दोपहर से जल सेवा सामान्य कर दी गई। हावड़ा नगर निगम के अनुसार बुधवार शाम पंप पैनल बोर्ड में अचानक गंभीर तकनीकी समस्या उत्पन्न हो गई थी। इसके बाद निगम के इंजीनियरों ने तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया और पूरी रात काम जारी रखा। इस खराबी के कारण हावड़ा नगर निगम के वार्ड संख्या 1 से 50 तथा बाली नगरपालिका के वार्ड संख्या 26 से 35 तक जलापूर्ति बाधित हुई। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद दोपहर से प्रभावित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी गई।

पूर्व तृणमूल विधायक को मिली जमानत

हुगली : जिले के चुंचुड़ा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व तृणमूल विधायक असित मजूमदार को जमानत मिल गई है। आज हुगली जिला जज कोर्ट में जिला जज अमित चक्रवर्ती ने 10,000 रुपये के बॉन्ड पर उनकी जमानत मंजूर की। बताया जा रहा है कि असित मजूमदार को 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले सड़क जाम, पुलिस के काम में बाधा और वसूली के मामलों में उन्हें जमानत मिल चुकी थी। हालांकि, दुष्कर्म के प्रयास के मामले में वे अब तक न्यायिक हिरासत में थे।

नेतृत्व विवाद के बीच अरूप बिस्वास ने पार्टी के बैंक खातों पर रोक लगाने की मांग की

टीएमसी नेता का दावा, बागी नेता कर सकते हैं चेक का दुरुपयोग

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी संकट गुरुवार को और गहरा गया जब 'पार्टी कोषाध्यक्ष' अरूप बिस्वास ने एक बैंक को पत्र लिखकर पार्टी के खातों के संचालन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने इसके लिए पार्टी के वैध नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता और विधायकों तथा सांसदों की बगावत का हवाला दिया है। इस कदम को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खेमे के लिए एक और झटके के तौर पर देखा जा रहा है। कोलकाता में एक निजी बैंक की सेंट्रल प्लाज़ा शाखा के प्रबंधक को 12 जून को लिखे गए दो पन्ने के पत्र के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के कोषाध्यक्ष के तौर पर बिस्वास ने संबंधित बैंक से यथास्थिति बनाए रखने और विवाद के समाधान तक किसी भी निकासी या लेन-देन में बदलाव की अनुमति न देने का अनुरोध किया। पत्र में दावा किया कि पार्टी के भीतर प्रतिद्वंद्वी गुट खुद को तृणमूल कांग्रेस के वैध प्रतिनिधि और पदाधिकारी बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह अनिश्चितता पैदा हो गई है कि पार्टी के नाम पर संचालित बैंक खातों का संचालन करने का अधिकृत अधिकार वास्तव में किसके पास है। बिस्वास ने यह आशंका भी जताई कि पार्टी के कोष का इस्तेमाल या उसे हड़पने का काम हो सकता है। उन्होंने आगाह किया कि विवाद के बीच, दस्तखत किए हुए चेक का गलत इस्तेमाल हो सकता है या उन्हें भुनाने के लिए पेश किया जा सकता है। पार्टी की वित्तीय जानकारी के अनुसार, खाते में लगभग 534 करोड़ रुपये जमा राशि होने का अनुमान है, जिससे इस कोष पर नियंत्रण का मुद्दा राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्व-पूर्ण बन जाता है।

❑ **पार्टी को पद से हटाया जा चुका है**

यह घटनाक्रम इसलिए अहम है क्योंकि पांच जून को ममता बनर्जी खेमे की ओर से किए गए पुनर्गठन के दौरान बिस्वास को कोषाध्यक्ष पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह पूर्व सांसद सुभाशीष चक्रवर्ती को नियुक्त किया गया था। हालांकि, बैंक को भेजे गए पत्र में बिस्वास ने खुद को पार्टी का कोषाध्यक्ष बताया, जिससे संगठनात्मक अधिकार को लेकर प्रतिस्पर्धी दावों और वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ममता के गुट की ओर से कोषाध्यक्ष बनाए गए सुभाशीष चक्रवर्ती ने कहा कि उन्हें इस पत्र के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

❑ **विपक्ष के नेता ने रोक की मांग का किया समर्थन**

इस मांग को विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी का भी समर्थन मिला। ऋतब्रत ने कहा कि मैं टीएमसी के खातों पर रोक लगाने की अरूप बिस्वास की मांग का समर्थन करता हूं। क्या गारंटी है कि 'कट मनी' से मिली रकम उन खातों में जमा नहीं की गई? खातों के लेन-देन पर रोक लगाना सही कदम होगा।

मेस्सी के कार्यक्रम में 'अनियमितताएं' : पूर्व मंत्री विश्वास से पुलिस ने साढ़े तीन घंटे की पूछताछ

❑ **22 जून को फिर किया तलब**

कोलकाता, समाज्ञा : अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी से जुड़े वर्ष 2025 के एक कार्यक्रम में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में बिधाननगर पुलिस ने गुरुवार को राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास से तीन घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले दो समन की अनदेखी करने और तीसरे के अनुपालन में देरी के बाद बिश्वास सुबह 9.55 बजे बिधाननगर दक्षिण पुलिस थाने पहुंचे। उनकी पेशी कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश के बाद हुई थी जिसमें उन्हें पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई से सशर्त छूट दी गई थी। तृणमूल नेता को दोपहर करीब 1.15 बजे उस वाहन में पुलिस थाना परिसर से बाहर निकलते देखा गया जिसके शीशे काले थे। बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के सूत्रों ने बताया कि बिश्वास को 22 जून को जांचकर्ताओं के सामने फिर से पेश होने के लिए कहा गया है, जिस दौरान उन्हें मामले से संबंधित प्रासंगिक दस्तावेज लाने का निर्देश दिया गया है।

अलीपुर कोर्ट परिसर में पूर्व मंत्री के खिलाफ वकीलों ने किया प्रदर्शन

दक्षिण कोलकाता के अलीपुर अदालत परिसर में गुरुवार को उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब वकीलों और अदालत कर्मियों के समूह ने एक अधिवक्ता के चैंबर के बाहर उस समय विरोध प्रदर्शन किया जब राज्य के पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास कथित तौर पर पेशेवर परामर्श के लिए वहां मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों ने चैंबर को घेर लिया और मांग की कि बिस्वास बाहर आकर उनका सामना करें। कुछ लोगों ने अंडे ले रखे थे और तृणमूल कांग्रेस नेता के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ समय बाद प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और चैंबर के दरवाज़े को ज़ोर-ज़ोर से पीटना शुरू कर दिया और कथित तौर पर खिड़की के शीशे भी तोड़ दिए। कई लोग 'चोर-चोर' चिल्ला रहे थे। प्रदर्शन के दौरान बिस्वास लगभग डेढ़ घंटे तक चैंबर के अंदर ही रहे। एक समय एहतियात के तौर पर चैंबर की बत्तियां बंद कर दी गईं। बाद में, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और पूर्व मंत्री को परिसर से बाहर निकाला। उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच लोहे की जाली लगे पुलिस वाहन में बैठाकर ले जाया गया।

सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर 1 सितंबर से होगी कार्रवाई : अग्निमित्रा पॉल

योग दिवस से पहले के उत्सव और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने की शिरकत

हावड़ा, समाज्ञा : राज्य सरकार शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से 1 सितंबर से सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करेगी। राज्य के नगर एवं शहरी विकास विभाग की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने शिवपुर स्थित रामकृष्णपुर घाट पर आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 से 20 जून तक छह दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सड़कों, पार्कों, नदी घाटों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई की जा रही है। मंत्री ने कहा कि 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शहर आगमन और 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए शहर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

इस दौरान जनकल्याण शिविर से लौटने के दौरान हावड़ा में एक वृद्ध महिला की मौत के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं, विशेषकर अन्नपूर्णा योजना, विधवा पेंशन और अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग शिविरों में पहुंच रहे हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अलग-अलग काउंटर और शिविरों की व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने कहा कि लोगों को संयम बनाए रखना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से शिविरों में पेयजल, पंखे और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

हावड़ा में मानसून की तैयारी शुरू, नालों-नहरों की सफाई और बिजली सुरक्षा के निर्देश

मानसून से पहले हावड़ा शहर में जलजमाव और विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने गुरुवार को हावड़ा के रामकृष्णपुर घाट पर आयोजित स्वच्छता अभियान एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में कहा कि शहर के सभी छोटे-बड़े नालों और नहरों की सफाई युद्धस्तर पर की जाएगी तथा बारिश के दौरान करंट लगने की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर के लाइट पोस्ट और विद्युत व्यवस्था की नियमित जांच के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम में अग्निमित्रा पाल के साथ राज्य के नगर एवं शहरी विकास विभाग के राज्यमंत्री उमेश राय, शिवपुर के विधायक रुद्रनील घोष, बाली के विधायक संजय सिंह, हावड़ा की जिलाधिकारी डॉ दीपा पी प्रिया, हावड़ा नगर निगम के आयुक्त तेजस्वी राणा तथा जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। हावड़ा नगर निगम के सफाईकर्मियों के अलावा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। मंत्री ने कहा कि दुर्गापूजा के बाद हावड़ा नगर निगम चुनाव की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। इस दौरान उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मानसून से पहले राज्यभर में तृणमूल के मेयर, नगर प्रमुख और पार्षद इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को असहज स्थिति में डालने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उनकी पार्टी हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है और जनता का समर्थन उनके साथ है।

भ्रष्टाचारी और गुंडों की सरकार थी तृणमूल - इसलिए हुआ पतन : मंत्री भास्कर भट्टाचार्य

हुगली : पश्चिम बंगाल की सियासत को लेकर मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस और राज्य की पूर्व सरकार पर जोरदार हमला बोला है। बयान में आरोप लगाया गया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने जनता को भ्रष्टाचार और असुरक्षा की ओर धकेला, जिसका परिणाम अब सामने आ रहा है।

उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अब बिखर चुकी है और पार्टी की रणनीति पूरी तरह विफल रही है। दावा किया कि आने वाले समय में और भी बड़े खुलासे होंगे और अवैध संपत्तियों का पता चलेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। उनका कहना था कि ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा की नीति के तहत जो भी दोषी है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तृणमूल के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि गुंडा तत्व बताया और कहा कि सत्ता में रहने के दौरान उन्होंने लोगों पर अत्याचार किया, जिसका परिणाम अब उन्हें भुगतना पड़ रहा है। धार्मिक और सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर भी बयान देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पहले की सरकार ने अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया, जिससे राज्य की सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित पश्चिम बंगाल दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जल्द ही राज्य के लिए नई योजनाओं और परियोजनाओं की घोषणा कर सकते हैं।

बागनान में भाजपा-तृणमूल समर्थकों की झड़प में भाजपा कार्यकर्ता की मौत, तीन अन्य घायल, आठ गिरफ्तार

❑ **मुख्य आरोपी शेख मफिजुल इस्लाम अब भी फरार**

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा जिले के बागनान के आंटिला ग्राम पंचायत के पाइकपाड़ा इलाके में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़प में भाजपा कार्यकर्ता प्रशांत दे (50) की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस और केंद्रीय बल तैनात कर दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद आंटिला ग्राम पंचायत के उपप्रधान शेख मफिजुल इस्लाम क्षेत्र छोड़कर चले गए थे। गुरुवार रात उनके इलाके में लौटने की खबर मिलने पर करीब 8-10 भाजपा कार्यकर्ता बाइक से उनके घर के सामने पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद उपप्रधान के समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच विवाद शुरू हो गया, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गया। बताया जा रहा है कि कि दोनों पक्षों के बीच लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से मारपीट हुई। गंभीर रूप से घायल प्रशांत दे को उलुबेड़िया महकमा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तीन अन्य घायल भाजपा कार्यकर्ताओं का इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही बागनान थाने की पुलिस, केंद्रीय बल और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। भाजपा ने आरोप लगाया है कि तृणमूल समर्थकों ने सुनियोजित हमला किया। वहीं राज्य के मंत्री उमेश राय ने कहा कि घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोगों में कानून का डर बना रहे।

मृतक के परिजनों ने घटना को योजनाबद्ध हत्या बताते हुए दोषियों के लिए फांसी की सजा और निष्पक्ष जांच की मांग की है। हावड़ा ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, मुख्य आरोपी शेख मफिजुल इस्लाम अभी भी फरार है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

न्यूज अपडेट

निरोग काया के लिए नित्य करें योग : संजय सरकार

हुगली : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हुगली जिले के रिसड़ा के लेनिन ग्राउंड में एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन रिसड़ा थाना की ओर थाना प्रभारी संजय सरकार के अध्यक्षता में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह के समय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम के अभ्यास के साथ हुई। उपस्थित लोगों को योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, नियमित योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से रिसड़ा थाना प्रभारी संजय सरकार समेत अन्य पुलिस अधिकारी, वार्ड नंबर 10 के पार्षद मनोज सिंह एवं क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी संजय सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी दूर करता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने व्यस्त जीवन में से थोड़ा समय निकालकर नियमित रूप से योग करें। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को योग के महत्व से अवगत कराना था। अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

हावड़ा जायसवाल परिवार के सम्मान समारोह में नवनिर्वाचित मंत्री समेत कई हस्तियां सम्मानित

हावड़ा : हावड़ा जायसवाल परिवार की ओर से 17 जून को बेलिलियस रोड स्थित संगम बैंकेट हॉल में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 12 के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित विधायक, मंत्री, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री उमेश राय, बाली के विधायक संजय सिंह, कोलकाता नगर निगम के 45 नंबर वार्ड के पार्षद संतोष पाठक, स्टेट ज्वाइंट सेक्रेटरी मनोज पांडेय, पूर्व डिप्टी मेयर मीना देवी पुरोहित, भाजपा की नेता एवं एंटाली विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक प्रत्याशी प्रियंका टिबरीवाल तथा डानकुनी के देबाशीष मुखर्जी शामिल रहे।

समारोह के दौरान पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों एवं मंत्रियों को सम्मानित किया गया। साथ ही हावड़ा नगर निगम की पूर्व पार्षद गीता राय को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में हावड़ा के विशिष्ट समाजसेवी एवं उद्योगपति रामरतन चौधरी तथा आनंद चौधरी को समाजसेवा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के संरक्षक केशव प्रसाद गुप्ता, रामविलास जायसवाल और रामानंद जायसवाल, चेयरमैन हरिशंकर जायसवाल, अध्यक्ष महेंद्र जायसवाल और सचिव अजय कुमार गुप्ता, वर्किंग प्रेसिडेंट देवी प्रसाद जायसवाल एवं कृष्णा जायसवाल, कोषाध्यक्ष राजेश जायसवाल, सोमनाथ गुप्ता और सोमनाथ जायसवाल, उपाध्यक्ष तारकनाथ जायसवाल, रमेश जायसवाल तथा राजेश जायसवाल (एडकॉम) सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। महिला मंडली की अध्यक्ष माया देवी जायसवाल, सचिव गीता देवी जायसवाल, कोषाध्यक्ष सुनीता जायसवाल, उपाध्यक्ष सुनीता जायसवाल और लक्खी जायसवाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

इसके अलावा, सहस्त्रार्जुन जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष विकास जायसवाल, परमेश्वर सिंह, जयंत गुप्ता, महासचिव आकाश जायसवाल, संयुक्त सचिव राजीव जायसवाल, कार्यकारिणी सदस्य मनोहर जायसवाल, जवाहरलाल जायसवाल, कृष्णा जायसवाल, स्वरूप जायसवाल, राज जायसवाल और केष्टो साव भी उपस्थित रहे।

समारोह में अध्यक्ष उमाशंकर जायसवाल, सहसचिव राजेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष प्रभात जायसवाल, कार्यकारिणी सदस्य राजीव जायसवाल, अवधेश साव, महिला सदस्य रजनी जायसवाल और रीना जायसवाल, हावड़ा के समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद साव, निर्मल जायसवाल, साथ में सतीश जायसवाल, राम तारक जायसवाल, बेलिलियस रोड के गोरख जायसवाल, रामबली जायसवाल तथा रामकृष्णपुर घाट गंगा आरती समिति के अध्यक्ष विक्रांत दुबे, पंकज पांडेय, अशोक शुक्ला और श्रीराम जायसवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य में केंद्रीय बलों की संख्या में कटौती, 500 में से 150 कंपनियां रहेंगी तैनात

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती में बड़ी कटौती की गई है। राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान तैनात किए गए केंद्रीय बलों की संख्या, जो चुनाव के बाद भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 500 कंपनियों के स्तर पर रखी गई थी, अब घटाकर 150 कंपनियां कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, राज्य में वर्तमान में शांति और सामान्य कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस और प्रशासन को पूर्ण स्वतंत्रता दी है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय बलों की संख्या कम करने का फैसला लिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद राज्य सचिवालय नवान्न सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। उस समय सरकारी दस्तावेजों और अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बाद से नवान्न की सुरक्षा का दायित्व भी केंद्रीय बलों के जवानों के पास था। नवान्न में प्रवेश और निकास के दौरान कर्मचारियों के पहचान पत्रों की जांच तथा बैगों की तलाशी भी केंद्रीय बलों के जवानों द्वारा की जाती थी। हालांकि, बुधवार से नवान्न के बाहर तैनात केंद्रीय बलों को हटा लिया गया है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था का नया ढांचा पहले ही तय किया जा चुका है।

फलता थाने पर हमले का मामला : टीएमसी नेता जहांगीर की पत्नी पर नया केस

❑ **हथियार और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज**

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के फलता थाने पर हमले और आरोपित टीएमसी नेता खान को छुड़ाने की कोशिश के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी रेजीना बीबी के खिलाफ हथियार और विस्फोटक अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में नया मामला दर्ज किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि घटना से एक दिन पहले जहांगीर की पत्नी की अगुवाई में एक बैठक हुई थी। इसी बैठक में समर्थकों को फलता थाने से करीब तीन किलोमीटर दूर एक स्थान पर जुटाने और वहां से संगठित तरीके से थाने पर हमला कर जहांगीर को छुड़ाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरी साजिश के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल थे।

❑ **थाने पर हमले की साजिश में गिरफ्तारी बढ़कर 16 हुई**

दूसरी तरफ, फलता थाना क्षेत्र में हुए हमले के मामले में पुलिस ने देर रात तक अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बुधवार की रात इलाके में तलाशी अभियान चलाते हुए और सीसीटीवी फुटेज, वीडियो व तस्वीरों की जांच के आधार पर आठ और लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही, इस मामले में अब तक कुल 16 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार लोगों पर अवैध जमावड़ा, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, पुलिस कार्य में बाधा डालने, और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों को गुरुवार को डायमंड हार्बर महकमा अदालत में पेश किया गया।

कोलकाता की महिला आंत्रप्रेन्योर ने खड़ा किया एआई आधारित स्टार्टअप, रोजाना 2 लाख से अधिक लोग कर रहे इस्तेमाल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता की 29 वर्षीय उद्यमी अंतरा सरकार ने तकनीक और आध्यात्मिकता को जोड़ते हुए ऐसा स्टार्टअप तैयार किया है, जिसका उपयोग आज रोजाना दो लाख से अधिक लोग कर रहे हैं। एनआईटी दुर्गापुर की पूर्व छात्रा अंतरा ने करीब आठ वर्षों तक सिविल स्ट्रक्चरल इंजीनियर के रूप में काम किया, लेकिन कुछ नया और अपना बनाने की इच्छा ने उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित किया। स्टार्टअप वेदाज.आईओ की शुरुआत के दौरान अंतरा को तकनीकी निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस चुनौती को देखते हुए उन्होंने स्वयं तकनीक सीखने का फैसला किया और स्केलर के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा इंजीनियरिंग और मशीन लर्निंग की पढ़ाई शुरू की। खास बात यह रही कि उन्होंने यह सफर गर्भावस्था और छोटे बच्चे की देखभाल के साथ पूरा किया। नई तकनीकी समझ के आधार पर अंतरा ने वेदाज.आईओ की रणनीति में बदलाव करते हुए विज्ञापन आधारित मॉडल की जगह ऑर्गेनिक और डेटा-आधारित ग्रोथ पर जोर दिया। इसका असर यह हुआ कि प्लेटफॉर्म के दैनिक इंप्रेशन करीब 2,000 से बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गए।

झारखंड: लावारिस कार के अंदर फंसी पांच साल की बच्ची, मौत

चाईबासा: झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक खडी.कार के अंदर फंसने के बाद कथित तौर पर दम घुटने से पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार शाम चाईबासा सदर थाना क्षेत्र के तुंगरी में हुई। एसडीपीओ (चाईबासा) बहामन तूती ने भाषा को बताया कि बच्ची, ईशानी गोप, तुंगरी रेलवे ओवरब्रिज के पास एक सरकारी स्कूल से अपने चचेरे भाई के साथ घर लौट रही थी। तभी वह खेल-खेल में लावारिस वाहन के अंदर घुस गई। तूती ने बताया कि पता नहीं कैसे कार अंदर से बंद हो गई और उसका चचेरा भाई उसे खोल नहीं सका। अधिकारी ने कहा कि संभवत: दम घुटने के कारण बच्ची जल्द ही बेहोश हो गई। इसके बाद उसे चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि अब तक किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है लेकिन हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच करेंगे।

राजस्थान : आठ दिन से लापता महिला का शव कुएं में मिला, हत्या की आशंका

जयपुर: राजस्थान की राजधानी जयपुर से आठ दिन से लापता 53 वर्षीय महिला का शव बृहस्पतिवार को एक कुएं से बरामद हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने शुरुआती जांच के आधार पर इसे लूट के लिए हत्या का मामला बताया है। पुलिस ने बताया कि शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के हनुमानपुरा पावर ग्रिड के पीछे ढूंढ नदी के पास स्थित कुएं से बृहस्पतिवार सुबह बदबू आने पर ग्रामीणों ने उसमें झांककर देखा और शव होने की जानकारी मिली। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से शव को बाहर निकाला। थाना प्रभारी राजेंद्र मीणा ने बताया कि मृतका की पहचान बल्लूपुरा निवासी बीनादेवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार महिला मजदूरी करती थी और 11 जून को दोपहर दवा लेने घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि महिला का शव उसके घर से करीब दो किलोमीटर दूर मिला। पुलिस ने बताया कि मृतका के पैरों में पहनी हुई चांदी के कड़े गायब थे। प्रथम दृष्टया आशंका है कि कड़े के लिए महिला की हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया।

काशी रेलवे स्टेशन के विस्तार के लिए मस्जिद खाली करने का नोटिस

वाराणसी: उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में काशी रेलवे स्टेशन परिसर के विस्तार के लिए रेलवे प्रशासन ने स्टेशन के मुख्य द्वार पर स्थित गंज शहीदा मस्जिद को खाली करने के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस चस्पा किया है। वहीं, मस्जिद की देखरेख करने वाली संस्था इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने रेलवे के नोटिस को अवैध करार दिया है। कैंट स्टेशन के अधीक्षक अर्पित गुप्ता ने कहा, काशी स्टेशन के विस्तार और प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए आसपास की रेलवे भूमि को अतिक्रमण मुक्त करना आवश्यक है। इसी वजह से विभिन्न स्थलों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। गुप्ता ने बताया कि रेलवे और जिला प्रशासन ने इससे पहले भी काशी रेलवे स्टेशन के आसपास अतिक्रमण हटाया था। उन्होंने बताया कि काशी रेलवे स्टेशन के राजघाट क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर और अजमेर शहीद मस्जिद को प्रशासन और रेलवे की संयुक्त कार्रवाई के तहत हटाया जा चुका है। गुप्ता ने बताया कि काशी रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर स्थित गंज शहीदा मस्जिद को 20 जून तक खाली करने के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस चस्पा किया गया है।

झारखंड : रांची में ट्रेन की चपेट में आने से आरपीएफ जवान की मौत

रांची: झारखंड के रांची जिले में बृहस्पतिवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 32 वर्षीय जवान की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार तड़के नामकुम रेलवे स्टेशन के पास हुई। मृतक की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है, जो बिहार के बेगूसराय जिले के निवासी थे। रांची स्थित रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) थाने के प्रभारी शिशुपाल कुमार ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जवान की मौत ट्रेन से कटने के कारण हुई। उनका हाल ही में पश्चिम बंगाल के सुइसा रेलवे स्टेशन से तबादला हुआ था और उन्होंने 14 मई को नामकुम स्टेशन पर कार्यभार संभाला था। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है।

प्राकृतिक खेती एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकती हैं : योगी

कानपुर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्राकृतिक खेती एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकती है, क्योंकि इससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है। योगी कानपुर में आयोजित 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया। योगी ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्यों में बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना और बीमारियों का खतरा घटाना शामिल है, जिसमें प्राकृतिक खेती अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण गुर्दे से संबंधित बीमारियों सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि हुई है। योगी ने कहा, 30 साल पहले किडनी रोग के मामले बहुत कम थे। आज हर इलाके में दो या तीन किडनी रोगी मिल सकते हैं। कुछ डायलिसिस पर हैं और कुछ को प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 'लिवर सिरोसिस' के मामलों के अलावा उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गोरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कई लोग गाय का दूध पीते हैं, लेकिन बाद में गायों को सड़कों पर छोड़ देते हैं। जब ये आवारा पशु, फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं तो वही लोग सरकार पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा, गाय आधारित प्राकृतिक खेती ना केवल कृषि को मजबूती देती है, बल्कि पशु के कल्याण में भी योगदान करती है। गोरक्षा को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह इस राज्य का संकल्प और भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का हिस्सा भी है कि गायों को कटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हम किसी को भी इस देश की सुरक्षा के साथ समझौता करने नहीं देंगे। सनातन धर्म को मानने वालों के लिए गाय पवित्र है और इसे परिवार का सदस्य माना जाता है। योगी ने रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के लिए गाय आधारित प्राकृतिक खेती की वकालत की, जिसमें गाय के गोबर और मूत्र का इस्तेमाल खाद और कीटनाशकों के रूप में किया जाता है।

लखनऊ-कानपुर के बीच रैपिड रेल कॉरिडोर की योजना, एससीआर के लिए बाहरी रिंग रोड बनेगी

उन्नाव : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में विकास को गति देने के लिए लखनऊ एवं कानपुर के बीच उन्नाव के माध्यम से रैपिड रेल कॉरिडोर की योजना तैयार की जा रही है। साथ ही राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) को जोड़ने के लिए एक बाहरी रिंग रोड भी प्रस्तावित है। उन्नाव में 570 करोड़ रुपये से अधिक की 101 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव को लखनऊ राज्य राजधानी क्षेत्र में शामिल किया गया है, जिससे अब राजधानी का विकास केवल हजरतगंज तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, लखनऊ का विकास अब उन्नाव तक पहुंचेगा और कानपुर की ओर आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्नाव और कानपुर के बीच गंगा पर दो और पुलों के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना की तर्ज पर लखनऊ से उन्नाव होते हुए कानपुर तक रैपिड रेल सेवा के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश बोर्ड ने प्रदेशभर के 465 विद्यालयों की मान्यता रद्द की

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (उप्र बोर्ड) ने 2024-25 और 2025-26 के दौरान किसी छात्र के परीक्षा में शामिल नहीं होने या कक्षाएं संचालित नहीं किए जाने के आधार पर प्रदेशभर में 465 विद्यालयों की मान्यता रद्द कर दी है। उप्र बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम-1921 के अधीन निर्मित परिषद विनियमों के तहत मान्यता प्राप्त किसी विद्यालय से लगातार दो वर्ष तक कोई छात्र परीक्षा में शामिल नहीं होते या कक्षाएं संचालित नहीं होती तो विद्यालय को मिली मान्यता स्वतः समाप्त मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से प्रदेश के विभिन्न जिलों में 465 विद्यालयों की मान्यता स्वतः समाप्त हो गई है। इस बारे में विद्यालयों को सूचित कर दिया गया है। विद्यालय के प्रबंधक एवं संचालकों को इस नियम की भलीभांति जानकारी है। सिंह ने बताया कि इसके साथ बच्चों के अभिभावक मान्यता रद्द विद्यालयों में बच्चों का प्रवेश दिलाने में सावधानी बरतें। मान्यता रद्द विद्यालयों की बोर्ड द्वारा जारी सूची में आगरा के 12 विद्यालय, फिरोजाबाद के 10, मथुरा के 11, अलीगढ़ के 14, लखनऊ के 14, कानपुर नगर के 20 और प्रयागराज के 25 विद्यालय समेत अन्य शामिल हैं।

न्यूज अपडेट

लड़कियों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए स्कूल-कॉलेज के पास 'पुलिस दीदी' तैनात की जाएंगी : सम्राट

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिलाओं की सुरक्षा उनकी सरकार की 'सर्वोच्च प्राथमिकता' है और लड़कियों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए स्कूल-कॉलेज के आसपास 'पुलिस दीदी' तैनात की जाएंगी। सम्राट ने यह बात नवनियुक्त होमगार्ड जवानों की पासिंग आउट परेड के निरीक्षण के दौरान आयोजित एक समारोह में कही। मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य के 13 करोड़ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'हमारी महिला आबादी, खासकर छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से हमने स्कूल-कॉलेज के आसपास 'पुलिस दीदी' तैनात करने का फैसला लिया है। ये 'पुलिस दीदी' स्कूटर और मोटरसाइकिल से लैस होंगी और सुनिश्चित करेंगी कि हमारी बेटियां खुद को सुरक्षित महसूस करें।' अप्रैल में बिहार के मुख्यमंत्री बने सम्राट के इस बयान को महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं को लेकर विपक्ष की ओर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर लगातार किए जा रहे हमलों की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्राट बिहार में सरकार का नेतृत्व करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पहले नेता हैं। मुख्यमंत्री ने चुनाव जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में होमगार्ड के जवानों की भूमिका की भी सराहना की।

हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा

आजमगढ़: उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को हत्या के एक मामले की सुनवाई पूरी करते हुए तीन आरोपियों को दोषी करार दिया और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर चार-चार लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अपर सत्र न्यायाधीश (त्वरित अदालत) अमर सिंह ने जुर्माने की 80 फीसदी राशि मृतक की पत्नी और बच्चों को देने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, वादी हरेंद्र चौहान ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसका भाई धर्मेंद्र कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में रहकर पोकलैंड चलाता था और वह कोरोना महामारी के दौरान गांव आया हुआ था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हरेंद्र ने बताया था कि धर्मेंद्र ने गांव के राजेश यादव, रमेश यादव और कपिल कुमार को एक लाख रुपये से अधिक राशि उधार दे रखी थी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, धर्मेंद ने जब उधार की रकम वापस मांगी, तो कपिल, राजेश और रमेश उसे चार अगस्त 2020 को शराब पिलाने के बहाने ले गए और दत्तात्रेय धाम के पास उसकी हत्या कर शव नदी में फेंक दिया।

बलिया में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बवाल, 12 गिरफ्तार

बलिया: उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगरा कस्बे में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान हुए हंगामे के मामले में पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना नगरा थाना क्षेत्र के नगरा टाउन इलाके में मंगलवार देर रात हुई। कार्यक्रम का आयोजन गोरखपुर के एक उद्योगपति के पुत्र के जन्मदिन के अवसर पर किया गया था। कार्यक्रम में भोजपुरी कलाकार पवन सिंह, गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन तथा प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह भी मौजूद थे। पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में बताया कि कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों के बीच बैठने की व्यवस्था को लेकर विवाद हो गया, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया और कार्यक्रम को शांतिपूर्वक संपन्न कराया। पोस्ट में यह भी कहा गया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है तथा पुलिस द्वारा कोई बल प्रयोग नहीं किया गया। हालांकि, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में अपेक्षा से अधिक भीड़ थी और आयोजकों ने भोजन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो बाद में हंगामे में बदल गया।

राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश, चूरू में सर्वाधिक 43.8 मिलीमीटर पानी बरसा

जयपुर: राजस्थान में बृहस्पतिवार को कई हिस्सों में बारिश हुई और सबसे ज्यादा 43.8 मिलीमीटर वर्षा चूरू में दर्ज की गई। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के मुताबिक, पिलानी में 15 मिलीमीटर, झुंझुनूं में 11.5 मिलीमीटर, लूणकरणसर में 4.5 मिलीमीटर और संगरिया में एक मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया। उसने बताया कि बीकानेर में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस, चूरू में 40.2 डिग्री सेल्सियस और जयपुर में 39.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसडी संजय बिहार के नये महाधिवक्ता नियुक्त

पटना: भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसडी संजय को बिहार का नया महाधिवक्ता नियुक्त किया गया है। राज्य के विधि विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। संजय की नियुक्ति पूर्व महाधिवक्ता पीके शाही के इस्तीफे के बाद की गई है। शाही बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। माना जा रहा है कि उन्होंने अपने राजनीतिक मार्गदर्शक और जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद महाधिवक्ता पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। नीतीश के इस्तीफे के बाद राज्य में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार का गठन हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल करने वाले संजय ने अपने विधि करियर की शुरुआत पटना उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में की। उन्होंने दीवानी और आपराधिक दोनों तरह के मामलों की पैरवी में अपनी पहचान बनाई। वह भाजपा की बिहार इकाई के विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही, 2027 में भारी कीमत चुकाएगी : अखिलेश

लखनऊ, 18 जून (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र में जनता ही असली ताकत है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को 2027 के विधानसभा चुनावों में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अखिलेश ने लखनऊ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की जनता सतर्क है और भाजपा का कोई छल, बल और चाल कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा के झूठ और लूट को समझ चुकी है। अखिलेश ने कहा, प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। महिलाएं, बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। कन्नौज, कौशांबी, प्रतापगढ़, गाजीपुर, हाथरस, कानपुर समेत तमाम जिलों में बच्चियों की निर्मम हत्याएं हुई हैं। पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। भाजपा सरकार में दोषियों को बचाया जाता है और निर्दोषों के साथ अत्याचार होते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सपा सरकार में महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई 1090 सेवा को निष्क्रिय कर दिया। अखिलेश ने कहा, भाजपा सरकार में फर्जी मुठभेड़ का डंका पीटा जा रहा है। लेकिन फर्जी मुठभेड़ से कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। हर काम, हर विभाग में भ्रष्टाचार है। सरकारी धन की लूट हो रही है।

राजभर का अखिलेश पर पलटवार, कहा- दलितों के खिलाफ अपराध करने वालों में सपा समर्थक सबसे ज्यादा

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने राज्य में दलितों पर अत्याचार से जुड़े समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर बृहस्पतिवार को पलटवार करते हुए दावा किया कि ऐसे अपराधों में समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थक सबसे ज्यादा शामिल हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष राजभर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यादव के दावों पर पलटवार किया। यादव ने बुधवार को लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन के दौरान पुलिस रिकॉर्ड का हवाला देते हुए दावा किया था कि उत्तर प्रदेश दलितों पर अत्याचार के मामले में देश में सबसे आगे है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का क्षेत्र गोरखपुर राज्य में अपराध के मामलों में सबसे ऊपर है। मंत्री ने इन आरोपों का जवाब देते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस के कथित आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि दलितों पर अत्याचार के मामलों में यादव और मुस्लिम समुदाय के लोग सबसे अधिक आरोपी हैं। उन्होंने कहा, क्या वह (अखिलेश) सपा के यादवों और सपा के मुसलमानों द्वारा दलितों पर किए गए अत्याचारों को सार्वजनिक नहीं करेंगे? राजभर ने जोन और कमिश्नरेट के आंकड़े साझा करते हुए आरोप लगाया कि पूरे राज्य के हर पुलिस जोन और कमिश्नरेट में आप जैसे लोग दलितों और वंचितों पर अत्याचार के मामलों में सबसे ज्यादा शामिल हैं। मंत्री ने सपा समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, आपके 'विदेश से लौटे अखिलेश यादव' ने कल एयर कंडिशनर वातावरण में संवाददाता सम्मेलन किया और दावा किया कि गोरखपुर में दलितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। यह इसलिए हुआ क्योंकि आपके उपद्रवी और आपराधिक सोच वाले समर्थकों के काम वहां सबसे ज्यादा सामने आ रहे हैं। मंत्री ने दावा किया कि गोरखपुर जोन में दर्ज 760 मामलों में से 297 यादव और 344 मुस्लिम आरोपी हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री लालू-राबड़ी को नियमों के अनुरूप पूरी सुरक्षा उपलब्ध : बिहार पुलिस

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे विवाद के बीच बिहार पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उन्हें और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप पूर्ण सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। यह मामला उस समय चर्चा में आया जब लालू प्रसाद ने बुधवार को आरोप लगाया था कि उनकी सुरक्षा श्रेणी घटा दी गई है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया था। इन आरोपों के बाद बिहार पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक स्पष्टीकरण में कहा कि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं की गई है तथा उन्हें निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सुरक्षा प्रदान की जा रही है। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप संचालित होती है। किसी भी व्यक्ति को सुरक्षा उपलब्ध कराने का आधार उसकी पात्रता और सुरक्षा संबंधी मूल्यांकन होता है। इसी प्रक्रिया के तहत दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। बिहार पुलिस के अनुसार, विशेष सुरक्षा दल (एसएसजी) अधिनियम, 2010 के तहत लालू प्रसाद को अंगरक्षक, आवास गार्ड, एस्कॉर्ट गार्ड, पायलट वाहन और बीआर कार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा उनकी सुरक्षा पर विशेष निगरानी रखने के लिए सादे लिबास में विशेष शाखा के सुरक्षाकर्मियों की भी तैनाती की गई है।

रांची में आरएसएस कार्यालय पर हमला करने के आरोप में तीन गिरफ्तार, पाकिस्तान से आतंकी जुड़ाव का संदेह

रांची/जमशेदपुर: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के रांची कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों से जुड़े होने का संदेह है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से एक आरोपी दोपहर में पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान हुई मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि दो आरोपियों को बुधवार देर रात कोडरमा ज़िले में गझंडी रेलवे स्टेशन के पास पकड़ा गया और उनके द्वारा इस्तेमाल की गई एक कार जब्त कर ली गई। वहीं एक और आरोपी को बृहस्पतिवार को रांची से गिरफ्तार किया गया। आरएसएस ने आरोप लगाया था कि मंगलवार देर रात निवारणपुर इलाके में उसके कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंके गए, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने संवाददाताओं को बताया, ''इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रांची के कोतवाली थाने में पूछताछ के दौरान एक आरोपी पुलिस हिरासत से भाग निकला। बाद में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद उसे रांची के चान्हो इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के एक पैर में गोली लगी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' उन्होंने बताया कि घायल आरोपी की पहचान सैफ अंसारी उर्फ रोहित के तौर पर हुई। आरोपियों की पहचान अमन अंसारी उर्फ गोलू, सैयम सुजान और सैफ अंसारी उर्फ रोहित के तौर पर हुई है। मुठभेड़ में रोहित घायल हो गया था। ये तीनों राज्य के लोहरदगा ज़िले के रहने वाले हैं। एसएसपी ने कहा कि इस मामले की जांच झारखंड का आतंक रोधी दस्ता (एटीएस) करेगा, क्योंकि इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकी जुड़ाव होने का संदेह है।

पांचना बांध मुद्दे पर सभी पक्षों से वार्ता कर समाधान निकाले सरकार : सचिन

जयपुर: कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को कहा कि करौली के पांचना बांध विवाद के समाधान के लिए राजस्थान सरकार को तत्काल पहल करते हुए सभी पक्षों से संवाद स्थापित करना चाहिए तथा उच्च न्यायालय के आदेश की पालना सुनिश्चित करनी चाहिए। पायलट ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि लंबे समय से पांचना बांध को लेकर आंदोलन चल रहा है और इस विषय से जुड़े विभिन्न पक्षों की अपनी-अपनी चिंताएं और मांगें हैं। नदी किनारे बसे 360 गांवों के किसानों का भी अपना पक्ष है। उन्होंने कहा, ''पानी सभी के लिए बुनियादी आवश्यकता है और स्थिति ऐसी नहीं होनी चाहिए कि तनाव पैदा हो या सामाजिक सद्भाव प्रभावित हो। सरकार को सभी पक्षों को विश्वास में लेकर न्यायिक निर्देशों का सम्मान करते हुए समाधान निकालना चाहिए।'

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर लू की स्थिति बने रहने का अनुमान

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को अलग-अलग जगहों पर लू की स्थिति बने रहने का अनुमान है, जबकि अन्य स्थानों पर गरज के साथ बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि लखनऊ में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक) और न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक) दर्ज किया गया। उसने कहा कि बृहस्पतिवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच शहर में कहीं भी बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को लखनऊ और उसके आसपास के इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। उसने कहा कि लखनऊ में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

गोरखपुर में बेटे ने कुल्हाड़ी से पिता की हत्या की

गोरखपुर: उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में घर के बाहर सो रहे एक व्यक्ति की उसके 25 वर्षीय बेटे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया गया है और अपराध के पीछे की मंशा का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, जंगल अयोध्या प्रसाद गांव निवासी ब्रह्मदेव कनौजिया (55) बुधवार रात भोजन करने के बाद घर के बाहर खाट पर सोने चला गया। उसने बताया कि रात करीब ढाई बजे कनौजिया के छोटे बेटे गोलू ने एक कुल्हाड़ी से अपने पिता पर कथित तौर पर कई बार वार किया। पुलिस के अनुसार, गोलू ने कनौजिया के सिर और गर्दन पर कथित तौर पर सात से आठ बार प्रहार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसने बताया कि पुलिस को रात करीब तीन बजे घटना की सूचना मिली। ग्रामीणों ने बताया कि गोलू के जिस महिला के साथ संबंध थे, उसका विवाह किसी और से हो गया था, जिसे लेकर गोलू व्यथित था। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में उसका व्यवहार आक्रामक हो गया था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गोलू पिछले सात-आठ वर्षों से मानसिक रोग से ग्रस्त था और उसका इलाज कराया जा रहा था। उन्होंने बताया कि छह महीने पहले मां का निधन होने के बाद गोलू का व्यवहार और खराब हो गया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी रवि कुमार सिंह ने कहा कि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह अस्पष्ट है। उन्होंने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस सभी कोण से मामले की जांच कर रही है।

राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन की जांच कर रही एसआईटी ने अनिल मिश्रा से पूछताछ की

अयोध्या: राम मंदिर में दान और चढ़ावे के कथित गबन की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बृहस्पतिवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा से दान राशि की गिनती और इस प्रक्रिया से जुड़े कर्मचारियों की नियुक्ति के सिलसिले में पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि तीन सदस्यीय एसआईटी बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे राम मंदिर परिसर पहुंची और लगातार चौथे दिन अपनी जांच जारी रखी। सूत्रों के मुताबिक, मिश्रा से मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे की गिनती की प्रणाली और इस कवायद से जुड़े व्यक्तियों की भर्ती के संबंध में पूछताछ की गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने दान के गबन और वित्तीय कुप्रबंधन से जुड़े आरोपों की जांच के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर 13 जून को एसआईटी का गठन किया। इसमें लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में वित्तीय गड़बड़ी का मामला सात जून को सामने आया, जब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि राम मंदिर को चढ़ावे और चंदा के रूप में मिले करोड़ों रुपये गायब हैं। अखिलेश ने अदालत से इस मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया था। एसआईटी जांच जारी रहने के बीच अखिलेश ने बृहस्पतिवार को इस मुद्दे पर भाजपा पर हमला तेज करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि अयोध्या गलत चीजें करने वालों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे से 7.8 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी, पुलिस ने चार करोड़ रुपये 'फ्रीज' कराए

नयी दिल्ली: साइबर जालसाज़ों ने राज्यसभा के पूर्व सदस्य नरेश गुजराल की पहचान का इस्तेमाल कर ऑनलाइन 'मैसेजिंग एप्लिकेशन' के माध्यम से उनकी कंपनी के वित्तीय कर्मचारियों से 7.8 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नरेश गुजराल (78) पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे हैं। इंद्र कुमार गुजराल 1997 से 1998 तक भारत के 12वें प्रधानमंत्री रहे थे। दिल्ली पुलिस के पास मंगलवार को धोखाधड़ी के मामले में एक ई-प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जिसके बाद जांच शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी 12 से 16 जून के बीच हुई। इस दौरान, ठगों ने नरेश गुजराल की 'डिस्प्ले पिक्चर' (डीपी) का इस्तेमाल करके एक ऑनलाइन 'मैसेजिंग' मंच पर अकाउंट बनाया। इसके बाद जालसाज़ों ने उनके एक कर्मचारी को संदेश भेजकर कारोबारी जरूरतों का हवाला देते हुए एक निर्दिष्ट बैंक खाते में 'रियल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) के माध्यम से तत्काल धनराशि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया।

न्यायालय ने तीन भाषा नीति लागू करने के खिलाफ याचिका पर अंतरिम आदेश से इनकार किया

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने सीबीएसई की उस नीति को लेकर दायर याचिका पर कोई अंतरिम राहत देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया, जिसमें 2026-27 सत्र से कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए दो भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है। अदालत ने कहा कि इस चरण में कोई अंतरिम आदेश पारित करने का आधार नहीं बनता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'फ्रेंड्स ऑफ पीपल फॉर एक्टिव डेमोक्रेसी' की याचिका को इस मुद्दे पर पहले से लंबित ऐसी ही याचिकाओं के साथ जोड़ दिया। पीठ ने याचिका को अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ने का निर्देश देते हुए कहा ''हम आज एक पंक्ति का आदेश पारित नहीं कर सकते। इस मामले में लंबी बहस हुई है। अंतरिम राहत देने का कोई सवाल ही नहीं है।'

गुजरात: मंदिर ट्रस्ट की जमीन के मामले में बड़ौदा के शाही परिवार की 35 साल पुरानी याचिका खारिज

अहमदाबाद: गुजरात उच्च न्यायालय ने पूर्ववर्ती बड़ौदा रियासत के शाही परिवार की 35 साल पुरानी याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में अधीनस्थ अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें एक मंदिर ट्रस्ट की 707 एकड़ जमीन पर उनके दावे को खारिज कर दिया गया था। बुधवार को पारित और बृहस्पतिवार को जारी आदेश में, अदालत ने कहा कि इस तरह की जिद और लंबे समय तक चलने वाले मुकदमों से न्यायिक संसाधनों पर बोझ पड़ता है और अदालत का कीमती समय बर्बाद होता है। आदेश में न्यायमूर्ति जेसी दोशी ने अपीलकर्ता (बड़ौदा के महाराजा) की कड़ी आलोचना की। अदालत ने कहा कि यह प्रथम अपील 'याचिकाकर्ता' की उस अनैतिक और स्वार्थपूर्ण मंशा का स्पष्ट उदाहरण है, जिसके तहत वह मामले को अंतहीन मुकदमेबाजी में उलझाए रखना चाहता है ताकि न्यायालयी कार्यवाही को लगातार जारी रखकर देवता (मंदिर) की संपत्ति पर अनिश्चितता और विवाद का साया हमेशा बनाए रखा जा सके। अपीलों की पहली खेप उच्च न्यायालय में 1991 में दायर की गई थीं। ये अपीलें अधीनस्थ अदालत द्वारा बड़ौदा के पूर्व शासक के उस दावे को खारिज करने के बाद दायर की गई थीं जिसमें उन्होंने जमीन के एक टुकड़े पर अपना हक जताया था।

असम: 14.5 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, सात लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी: असम के दो जिलों से 14.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं और इस सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा कि लगातार चलाए गए अभियान के तहत ये मादक पदार्थ श्रीभूमि और नगांव जिलों से जब्त किए गए हैं। शर्मा ने पोस्ट में कहा, मादक पदार्थों के विरुद्ध हमारा अभियान पूरी दृढ़ता के साथ जारी है। श्रीभूमि और नगांव जिला पुलिस ने 14.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों और इसके तस्करों के विरुद्ध यह कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

टेलीग्राम के 15 करोड़ उपयोकर्ताओं के अधिकारों में कैसे कटौती की जा सकती है : अदालत का केंद्र से सवाल

नयी दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 जून को दोबारा आयोजित की जा रही नीट-यूजी 2026 से पहले टेलीग्राम पर लगाई गई अस्थायी रोक के खिलाफ दाखिल याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए केंद्र के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल इसलिए कि कुछ उपयोकर्ता परीक्षा दे रहे हैं,मैसेजिंग ऐप के 15 करोड़ उपयोगकर्ताओं के अधिकारों को कैसे सीमित किया जा सकता है? न्यायमूर्ति तेजस करिया की अवकाशकालीन पीठ ने ये टिप्पणियां चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दोबारा आयोजित की जा रही राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट)से पहले ऐप के गलत इस्तेमाल की आशंका के आधार पर लगायी गई अस्थायी रोक के खिलाफ टेलीग्राम की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं। नीट-यूजी 2026 तीन मई को

आयोजित की गई थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बीच 12 मई को यह रद्द कर दी गई थी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) प्रश्नपत्र लीक से जुड़े आरोपों की जांच कर रही है।

टेलीग्राम का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों और लीक प्रश्नपत्रों के प्रसार में हो रहा : केंद्र

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने नीट-यूजी से पहले टेलीग्राम को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि इस मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी से लेकर आतंकवाद और लीक प्रश्नपत्रों को प्रसारित करने जैसी गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

वर्ष 2024 से लोकसभा, विधानसभा चुनावों में केवल 10 प्रतिशत महिला प्रत्याशी : एडीआर

नयी दिल्ली: चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली गैर सरकारी संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के विश्लेषण के अनुसार, 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के पारित होने के बावजूद देश की चुनावी राजनीति में महिलाओं की भागीदारी अभी भी काफी कम है। राजनीतिक पार्टियां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हर 10 प्रत्याशी में केवल एक महिला उम्मीदवार को ही मैदान में उतार रही हैं। ''चुनावों में महिला उम्मीदवार: महिला आरक्षण विधेयक, 2023 के बाद पार्टी टिकट बंटवारे का विश्लेषण'' नाम की रिपोर्ट में, विधेयक के पारित होने के बाद से हुए लोकसभा और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 51,708 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि इनमें से केवल 5,095, यानी 10 प्रतिशत ही महिलाएं थीं। रिपोर्ट में इस बारे में सवाल उठाया गया कि क्या संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करने की पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति है। साथ ही, इस विधेयक के इतिहास का भी जिक्र किया गया, जिसे सबसे पहले 1996 में 81वें संविधान संशोधन विधेयक के तौर पर पेश किया गया था और बाद में 2008 में 108वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में लाया गया था।

इसमें, लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव किया गया। सितंबर 2023 में, 128वां संविधान संशोधन विधेयक पारित किया गया, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है और जो आम तौर पर 'महिला आरक्षण विधेयक' के नाम से जाना जाता है। हालांकि, आरक्षण के प्रावधान इसके कानून का रूप लेने के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर अगली परिसीमन प्रक्रिया के बाद ही लागू होंगे, और महिला आरक्षण को उसके बाद होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में लागू किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2029 तक इस विधेयक को लागू करने के लिए 2026-27 की जनगणना का समय पर होना बहुत जरूरी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में - जो संसद द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को सर्वसम्मति से मंजूरी मिलने के कुछ महीनों बाद हुए थे - विश्लेषण किये गए 8,360 उम्मीदवारों में से केवल 800 महिलाएं थीं, जबकि 543 संसदीय क्षेत्रों में से 152 में एक भी महिला उम्मीदवार मैदान में नहीं थी। राष्ट्रीय पार्टियों में, भाजपा ने सबसे अधिक 16 प्रतिशत महिला उम्मीदवार उतारे, इसके बाद कांग्रेस और माकपा का स्थान आता है, जिन्होंने 13-13 प्रतिशत महिला उम्मीदवार उतारे, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 8 प्रतिशत महिला उम्मीदवार उतारे। रिपोर्ट के मुताबिक, आम आदमी पार्टी ने अपने 22 उम्मीदवारों में किसी भी महिला को टिकट नहीं दिया। विधानसभा चुनावों में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। महिला आरक्षण विधेयक, 2023 के पारित होने के बाद, 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव हुए।

देश भर में जंगलों को बचाने की जरूरत : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत में जंगलों को बचाने की जरूरत है। न्यायालय ने कहा कि झारखंड जैसे कुछ राज्यों में प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र हैं जिन्हें सहेजकर रखना आवश्यक है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने जेएसपीसीबी की ओर से पेश वकील से कहा, कुछ ही राज्य ऐसे हैं, जहां हम सचमुच अपने प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को बचा सकते हैं और आप (झारखंड) उनमें से एक हैं। उसने कहा कि कुछ राज्यों में जंगल जैसी प्राकृतिक सुंदरता वाली जगहें हैं, जिन्हें बचाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत झारखंड उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने अप्रैल में जंगलों या वन भूमि की सीमाओं के पास पत्थरों के उत्खनन या पत्थर तोड़ने वाली मशीनें स्थापित करने के लिए मंजूरी के सिलसिले में कई दिशा-निर्देश जारी किए थे। जनवरी में उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि राज्य के भीतर संरक्षित वनों की तय सीमाओं से एक किलोमीटर के दायरे में पत्थर के उत्खनन या पत्थर तोड़ने वाली मशीनें स्थापित करने के लिए कोई मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने यह आदेश जेएसपीसीबी की उस अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया था, जिसके तहत जंगल या वन भूमि के आसपास पत्थर के उत्खनन और पत्थर तोड़ने वाली मशीनें स्थापित करने के लिए निर्धारित न्यूनतम दूरी को 400-500 मीटर से घटाकर 250 मीटर कर दिया गया था। अप्रैल में पारित आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा था कि मंजूरी देने पर लगी रोक पत्थर के उत्खनन के मामले में जंगल या वन भूमि की सीमाओं से 500 मीटर के दायरे में, जबकि पत्थर तोड़ने वाली मशीनों के मामले में 400 मीटर के दायरे में लागू होगी। शीर्ष अदालत ने बृहस्पतिवार को जेएसपीसीबी की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि बोर्ड ने अचानक दूरी कम कर दी थी। जेएसपीसीबी के वकील ने उच्च न्यायालय की टिप्पणियों का जिक्र किया और कहा कि सब कुछ रुका हुआ है। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय मामले पर विचार कर रहा है और वहां इसकी अंतिम सुनवाई होनी है।

मणिपुर के कांगपोकपी में सुरक्षा बलों का व्यापक तलाशी अभियान, हथियार बरामद; 30 अवैध बंकर ध्वस्त

इंफाल: मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हाल में हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाकर हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक बयान के अनुसार, बुधवार को लेइलों वैफेई, लेइलों खुनौ, एल. मुनलुई और कोन्साखुल गांवों में तलाशी अभियान चलाया गया, जो लेइमाखोंग पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस दौरान कम से कम 30 अवैध बंकर, चौकियां और शिविर भी ध्वस्त कर दिये गए। एक अधिकारी ने बताया कि लेइलों वैफेई कुकी-जो समुदाय का गांव है, जहां से 13 मई को छह नगा पुरुषों का कथित रूप से अपहरण कर लिया गया था। उनके शव 10 जून को गांव के निकट बरामद किए गए थे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में लेइलों मुनलुई और कोन्साखुल क्षेत्रों से गोलीबारी की घटनाओं की भी खबरें मिली थीं। बयान के अनुसार, अभियान के दौरान 11 एकल नली वाली 12 बोर बंदूकें (एसबीबीएल), 12 बोर बंदूक के 294 कारतूस, बारूद के दो पैकेट, 12 बोर बंदूक के कारतूसों के 34 खाली खोखे तथा छह बुलेटप्रूफ जैकेट बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान चार लोगों को सत्यापन के लिए हिरासत में भी लिया गया। बुधवार को ही चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एस. नाबिल और लोइलामकोई गांवों में एक अवैध जांच चौकी और एक बंकर को भी सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि हाल के सप्ताहों में हत्याओं और विभिन्न समुदायों के बीच सशस्त्र गतिविधियों में बढ़ोतरी को देखते हुए मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) स्वयं अभियान की निगरानी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में नव नियुक्त डीजीपी मुकेश सिंह द्वारा शुरू किए गए सक्रिय सुरक्षा उपायों का स्वागत किया।

दिल्ली में अंतर-राज्यीय बाल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़; 13 लोग गिरफ्तार, पांच नवजात बच्चे बरामद

नयी दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले एक अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कथित तस्कर, बिचौलिए, खरीदार और एक अस्पताल के मालिक समेत 13 लोगों को गिरफ़्तार करने के साथ ही पांच नवजात शिशुओं को बरामद किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मध्य दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि पांच जून को पहाड़गंज में आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन के पास एक छद्म ग्राहक भेजा गया जिसके बाद गिरोह का पर्दाफाश हुआ। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तीन आरोपियों, ज्योति उर्फ़ कमलेश (37), शालू (43) और ललित को तब पकड़ा, जब वे चार-पांच दिन के एक नवजात बच्चे को नकली ग्राहकों को कथित तौर पर बेचने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि बच्चे को मुक्त करा लिया गया और फर्जी ग्राहकों द्वारा अग्रिम भुगतान के तौर पर दिए गए 20,000 रुपये बरामद कर लिए गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद, पुलिस

ने पहाड़गंज थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि जांच से पता चला कि आरोपी एक बाल तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं जो विभिन्न राज्यों से शिशुओं को लाते थे और उन्हें निःसंतान दंपतियों को लाखों रुपये में बेचते थे। जांचकर्ताओं के अनुसार, ज्योति गिरोह की प्रमुख समन्वयक थी और बिचौलियों के माध्यम से नवजात शिशुओं को खरीदती थी। जांचकर्ताओं के अनुसार इसमें एक आरोपी सायबा भाई घमर उर्फ कालिया भी शामिल था, जो राजस्थान और गुजरात से शिशुओं को कथित रूप से लाता था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर, पुलिस ने बाद में एक निजी अस्पताल से जुड़ी स्वतंत्र प्रयोगशाला तकनीशियन प्रतिभा और एक चालक विपिन को गिरफ्तार कर लिया, जिसने शिशुओं और गिरोह के सदस्यों को लाने ले जाने में कथित तौर पर मदद की थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके पास से 2.92 लाख रुपये नकद बरामद किए, जो नवजात बच्चे को कथित तौर पर खरीदने के लिए थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य आरोपी गुरुग्राम की रहने वाली घरेलू सहायिका ओमवती कथित तौर पर बिचौलिये का काम करती थी और तस्करी गिरोह के लिए बच्चों का इंतज़ाम करती थी।

मानवता को करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार: लोकसभा अध्यक्ष बिरला

रायपुर: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि भगवान महावीर के विचार मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण और सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे विनयकुशल मुनि महाराज को नमन किया। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति,

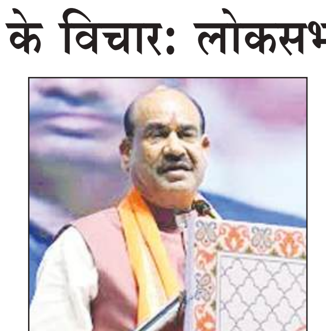

आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। बिरला ने कहा कि विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देश के विभिन्न राज्यों से आए संतों-साध्वियों, श्रद्धालुओं और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस आयोजन से पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्रमुनि महाराज को भी नमन करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में उनकी अद्भुत स्मरणशक्ति, एकाग्रता और ज्ञान-साधना सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक परंपराओं की भूमि है तथा राज्य सरकार सर्वधर्म समभाव की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन लेह में योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे

नयी दिल्ली: उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन शुक्रवार को लद्दाख जाएंगे, जहां वह 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति सीमावर्ती गांव लुकुंग का दौरा करेंगे, जहां वह 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के तहत जारी विकास योजनाओं का निरीक्षण करेंगे। इस केंद्रीय योजना का उद्देश्य दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार करने और वहां से होने वाले पलायन को रोकना है। राधाकृष्णन स्थानीय स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ बातचीत करेंगे ताकि जमीनी स्तर पर आर्थिक सशक्तीकरण योजनाओं की समीक्षा की जा सके। उपराष्ट्रपति युद्ध स्मारक भी जायेंगे, जहां वह अपने प्राणों की आहुति देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को श्रद्धांजलि देंगे।

19वें मुम्बई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'वेव्स डॉक बाज़ार' का सफल समापन

मुम्बई: 19वें मुम्बई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (मिफ्फ) 2026 के दौरान आयोजित 'वेव्स डॉक बाज़ार' के दूसरे संस्करण का सफल समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में 19 देशों से 155 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं तथा 100 से अधिक व्यावसायिक बैठकों का आयोजन किया गया। इस पहल ने वृत्तचित्र फिल्मकारों को देश-विदेश के निर्माताओं, वितरकों, प्रसारकों, निवेशकों और विशेषज्ञों से जुड़ने का प्रभावी मंच उपलब्ध कराया। आयोजन के दौरान परियोजना प्रस्तुति, संवाद सत्र और नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से चयनित फिल्मकारों को अपनी परियोजनाओं के विकास, पश्च-निर्माण और वितरण के लिए सहयोग प्राप्त करने का अवसर मिला। समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रसाद लैब्स पश्च-निर्माण पुरस्कार के तहत 'ऑन ए गुड नोट' तथा 'इट टेक्स ए विलेज'** को चेन्नई स्थित प्रसाद लैब्स में 50 घंटे तक निःशुल्क चार-के डिजिटल इंटरमीडिएट सेवाएं प्रदान करने की घोषणा की गई। वहीं **भारतीय सृजनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान के पश्च-निर्माण पुरस्कार के अंतर्गत 'अद्यू दिल्ली'और 'दो चार दिन' को चार-के डिजिटल इंटरमीडिएट सेवाओं पर 50 प्रतिशत की रियायत दी गई।

शिवसेना (उबाठा) के बागी सांसदों को 10-10 करोड़ रुपये और दिये गये: राउत

मुंबई: शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के बागी सांसदों को 10-10 करोड़ रुपये और दिए गए हैं और उन्हें राजस्थान में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। राउत ने नयी दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में शिवसेना (उबाठा) के बागी सांसदों का संदर्भ देते हुए कहा कि 'गद्दारों' को पुलिस सुरक्षा दी गई है। उन्होंने मांग की कि सांसदों को दी गई सुरक्षा वापस ली जाए। वहीं, महाराष्ट्र पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि शिवसेना (उबाठा) के बागी छह सांसदों को 'वाई-प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। राउत ने चेतावनी दी कि पार्टी बागी सांसदों के खिलाफ 'ऑपरेशन तुड़वा' शुरू करेगी। उन्होंने कहा, ''शिवसेना (उबाठा) के बागी सांसदों को अतिरिक्त 10-10 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे पहले उन्हें 15-15 करोड़ रुपये दिये गये थे। वे दिल्ली से राजस्थान में एक सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं।' राज्यसभा सदस्य ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में फिर से अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने पहले आरोप लगाया था कि सांसदों को पाला बदलने के लिए 50 करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही है। राउत ने मांग की कि बागी सांसद इस्तीफा दें और दोबारा चुनाव लड़कर जनादेश हासिल करें। उन्होंने कहा कि शिवसेना (उबाठा) के कार्यकर्ताओं ने उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा, 'यदि उनमें थोड़ी भी नैतिकता बची है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।' इससे पहले दिन में शिवसेना (उबाठा) के नौ लोकसभा सदस्यों में से छह बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में हुई उसके संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं हुए जिससे पार्टी में विभाजन के संकेत स्पष्ट हो गए और अनुपस्थित सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की संभावना प्रबल हो गई।

जनजातीय समुदाय को भले ही कोई वनवासी कहे, लेकिन वे असल में आदिवासी हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

बैतूल: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनजातीय समुदाय को भले ही कोई वनवासी कहे, लेकिन वास्तव में वे आदिवासी हैं। मुर्मू ने प्राकृतिक संपदाओं के प्रति संवेदनशील जीवनशैली विकसित किए जाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज तनाव और युद्ध से त्रस्त दुनिया में इसकी आवश्यकता अतीत के किसी भी कालखंड की तुलना में कहीं अधिक हो गई है। राष्ट्रपति मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल बैतूल जिले में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तीकरण' कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, जनजातीय समुदाय की जीवनशैली सहज रूप से अध्यात्म की मूलभूत प्रेरणाओं के करीब होती है। हम जनजातीय समुदायों को आदिवासी कहते हैं। कुछ लोग उन्हें वनवासी कहते हैं। वे आदिवासी ही हैं। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रही है, क्योंकि कांग्रेस आरोप लगाती आई है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जनजातीय समाज को 'वनवासी' कहकर उनकी अस्मिता को मिटा रहे हैं। मुर्मू ने कहा कि आदिम और आदिवासी तो सृष्टि के आरंभ से ही इस धरा पर रहते हैं और उनकी यह जीवनशैली आध्यात्मिकता के कारण है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संपदाओं से जुड़ाव आदिवासी समाज की वह सहज शक्ति है, जो सर्व-मंगलकारी सोच और कार्यनीति को जीवन के हर आयाम में सामने लाती है। मुर्मू ने कहा, वे सुख, शांति, आनंद और प्रेम में जीना जानते हैं। हिंसा से दूर रहते हैं। वे आदिम काल में जैसे थे, आज भी वैसे ही हैं। जैसे कि गीली मिट्टी उसे जिस आकार में ढालो, ढल जाती है। वे प्रकृति की पूजा करते हैं। केवल प्रकृति ही नहीं, वे पंच तत्वों की भी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा, वे (आदिवासी) धरती, आकाश, वायु, जल, सूर्य और चंद्र की पूजा करते हैं। वे कोई मंदिर या पूजा स्थल नहीं बनाते हैं। इस मौके पर मुर्मू ने यह भी कहा कि उपभोग की संस्कृति पर आधारित आज की भागमभाग भरी दुनिया में समाज के हर वर्ग की आध्यात्मिक शुचिता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि इसी के बल पर दीर्घकालिक रूप से समता-परक आचरण-पद्धति और प्राकृतिक संपदाओं के प्रति संवेदनशील जीवनशैली विकसित की जा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा, आज तनाव और युद्ध से त्रस्त विश्व में इसकी आवश्यकता अतीत के किसी भी कालखंड की तुलना में और अधिक हो गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओंकारेश्वर पहुंचीं, भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के दर्शन और अभिषेक किया

ओंकारेश्वर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक नगरी ओंकारेश्वर में बृहस्पतिवार को भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के दर्शन और अभिषेक किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू नर्मदा नदी के तट पर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में करीब 10 मिनट तक रहीं। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल भी उनके साथ थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने इस धार्मिक नगरी के ममलेश्वर मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। अधिकारियों के अनुसार ममलेश्वर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से पहले, मुर्मू ने नंदी की प्रतिमा पर बेलपत्र अर्पित किए। इसके बाद गर्भगृह में पुजारियों ने वैदिक पद्धति के तहत मंत्रोच्चार के बीच उनसे भगवान शिव का अभिषेक और पूजन कराया। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ओंकारेश्वर के दर्शन तब तक पूर्ण नहीं माने जाते, जब तक ममलेश्वर के दर्शन भी न कर लिए जाएं।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में डीयू छह स्थान की छलांग लगाकर 322वें स्थान पर पहुंचा

नयी दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में अपनी स्थिति बेहतर की है और छह स्थान ऊपर चढ़कर वैश्विक स्तर पर 322वीं रैंक हासिल की है। एक बयान से यह जानकारी मिली। डीयू के कुलपति योगेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय 2026 की रैंकिंग में 328वें स्थान से आगे बढ़ा है और सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय विश्वविद्यालय का अपना दर्जा बनाए रखा है। विश्वविद्यालय ने देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में अपना सातवां स्थान भी बनाए रखा है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 के अनुसार, दुनिया भर में मूल्यांकन किए गए 8,808 संस्थानों में से 106 देशों और क्षेत्रों के 1,504 विश्वविद्यालयों को रैंकिंग दी गई। इस रैंकिंग में कुल 52 भारतीय संस्थान शामिल थे। इस उपलब्धि को साझा करते हुए सिंह ने कहा कि यह सुधार विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, छात्रों, शोधकर्ताओं, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने कहा, 'वैश्विक रैंकिंग में लगातार सुधार और भारत के अग्रणी विश्वविद्यालयों में हमारी स्थिति इस बात का प्रमाण है कि हमारा शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र कितना मजबूत है, और हम शिक्षण, शोध, नवाचार तथा समाज से जुड़ाव में उत्कृष्टता के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।'

कपिल अग्रवाल हिंडाल्को के तांबा कारोबार के सीईओ (नामित) नियुक्त

नयी दिल्ली : आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने कपिल अग्रवाल को अपने तांबा कारोबार का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ)(नामित) नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। उनकी नियुक्ति एक नवंबर, 2026 से प्रभावी होगी। कंपनी ने यह नियुक्ति ऐसे समय में की है जब वैश्विक तांबा बाजार में बढ़ती मांग और आपूर्ति का दबाव बना हुआ है। ऊर्जा परिवर्तन एवं विद्युतीकरण के विस्तार के कारण तांबे की मांग में तेजी देखी जा रही है। कंपनी ने कहा कि वर्तमान प्रमुख रोहित पाठक का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक मार्च, 2027 से तांबा कारोबार के सीईओ का पद अग्रवाल संभालेंगे। कंपन ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''निदेशक मंडल ने नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर कपिल अग्रवाल को एक नवंबर, 2026 से सीईओ (नामित)-तांबा नियुक्त किया है। अग्रवाल तीन दशक से अधिक समय से आदित्य बिड़ला समूह से जुड़े हैं।

कोलकाता की युवा उद्यमी का एआई स्टार्टअप, रोज 2 लाख से अधिक उपयोगकर्ता

कोलकाता, समाज्ञा: कोलकाता की 29 वर्षीय उद्यमी अंतरा सरकार ने तकनीक और आध्यात्मिकता को जोड़ते हुए ऐसा स्टार्टअप तैयार किया है, जिसका उपयोग आज रोजाना दो लाख से अधिक लोग कर रहे हैं। एनआईटी दुर्गापुर की पूर्व छात्रा अंतरा ने करीब आठ वर्षों तक सिविल स्ट्रक्चरल इंजीनियर के रूप में काम किया, लेकिन कुछ नया और अपना बनाने की इच्छा ने उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित किया। स्टार्टअप वेदाज.आईओ की शुरुआत के दौरान अंतरा को तकनीकी निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस चुनौती को देखते हुए उन्होंने स्वयं तकनीक सीखने का फैसला किया और स्केलर के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा इंजीनियरिंग और मशीन लर्निंग की पढ़ाई शुरू की। खास बात यह रही कि उन्होंने यह सफर गर्भावस्था और छोटे बच्चे की देखभाल के साथ पूरा किया।नई तकनीकी समझ के आधार पर अंतरा ने वेदाज.आईओ की रणनीति में बदलाव करते हुए विज्ञापन आधारित मॉडल की जगह ऑर्गेनिक और डेटा-आधारित ग्रोथ पर जोर दिया। इसका असर यह हुआ कि प्लेटफॉर्म के दैनिक इंप्रेशन करीब 2,000 से बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गए।

मांग घटने से सोना 960 रुपये टूटा, चांदी में 6,660 रुपये की गिरावट

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 960 रुपये टूटकर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, शेयर बाजार में तेजी के बीच सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में कीमती धातुओं की मांग घटने से चांदी की कीमत 6,660 रुपये लुढ़क गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 960 रुपये टूटकर 1,53,440 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई।

ब्रिटानिया ने लॉन्च किया 'ब्रिटानिया दूध मैरी गोल्ड', अब मैरी बिस्किट में मिलेगा ज्यादा मिल्की स्वाद

कोलकाता, समाज्ञा : ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने अपने मैरी बिस्किट पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नया उत्पाद 'ब्रिटानिया दूध मैरी गोल्ड' लॉन्च किया है। कंपनी के अनुसार, यह बिस्किट आटे से तैयार किया गया है और इसमें 0 प्रतिशत मैदा का इस्तेमाल किया गया है। नया उत्पाद पारंपरिक मैरी बिस्किट की हल्की और कुरकुरी बनावट के साथ अधिक मिल्की स्वाद का अनुभव प्रदान करेगा। इस बिस्किट को खासतौर पर उन उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है, जो मैरी बिस्किट श्रेणी में अधिक रिच और बेहतर स्वाद की तलाश करते हैं। 'ब्रिटानिया दूध मैरी गोल्ड' में मैरी बिस्किट की पारंपरिक खूबियों और नए फ्लेवर का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। लॉन्च के साथ कंपनी ने एक नया टीवी कमर्शियल भी जारी किया है, जिसमें बिस्किट के हल्के, कुरकुरे और अधिक मिल्की स्वाद को दर्शाया गया है। विज्ञापन में चाय के साथ बिस्किट खाने की भारतीय परंपरा को केंद्र में रखा गया है।

प्रौद्योगिकी लोकतंत्रीकरण से ही बन सकती है प्रगति का माध्यम, एआई हमारे लिए सर्वसमावेशी: मोदी

प्रधानमंत्री 20 जून को 9.44 करोड़ किसानों को 18,880 करोड़ रुपये की किस्त जारी करेंगे

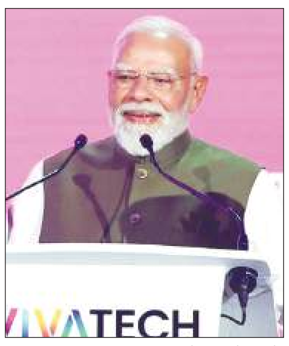

पेरिस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण पर बल देते हुए कहा कि यह तभी प्रगति का माध्यम बन सकती है जब सभी के लिए सुलभ हो, और भारत के लिए एआई (कृत्रिम मेधा) का मतलब 'ऑल इनक्लूसिव' (सर्वसमावेशी) होना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'वीवाटेक 2026' सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका ने हाल में कुछ उन्नत एआई मॉडल तक विदेशी नागरिकों की पहुंच पर पाबंदी लगाई है। मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी के मामले में नवाचार के साथ पहुंच भी महत्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी प्रगति तभी ला सकती है जब उसका लोकतंत्रीकरण हो। भारत मानता है कि बदलाव के इस दौर में प्रौद्योगिकी सभी के लिए काम करे। उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, पहुंच बढ़ाने, आर्थिक वृद्धि को गति देने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, वीवाटेक 2026 सम्मेलन में 'एआई कंट्री पार्टनर' के रूप में हमारी भागीदारी इसी दृष्टिकोण को दर्शाती है। भारत के लिए एआई का मतलब 'ऑल इनक्लूसिव' (सर्वसमावेशी) है। पिछले सप्ताह, अमेरिकी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने अमेरिकी प्रशासन के निर्देश पर अपने नवीनतम एआई मॉडल 'फेबल 5' और 'मिथोस 5' तक विदेशी नागरिकों की पहुंच रोक दी। इस कदम से एआई समाधानों की पहुंच को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया के लगभग आधे डिजिटल लेनदेन भारत में हो रहे हैं और पिछले एक दशक में देश ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से तेज बदलावों को देखा है। उन्होंने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल पहचान प्रणाली से लेकर सबसे बड़े डिजिटल भुगतान मंच तक, हम वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन और कृषि जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं। मोदी ने 2021 में वीवाटेक सम्मेलन में दिए गए अपने संबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय दुनिया कोविड-19 से जूझ रही थी, जबकि इस समय दूसरे तरह के व्यवधान सामने हैं। उन्होंने कहा, जहां पारंपरिक तरीके काम नहीं करते, वहां नवाचार मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दो लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ भारत दुनिया के सबसे जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है। उन्होंने इस सम्मेलन में स्थापित भारत मंडप देखने का प्रतिभागियों को आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत एक खुला समाज है और यहां दुनिया का सबसे बड़ा प्रतिभा भंडार है। सरकार नियमों को सरल बना रही है और कारोबारी सुगमता सुनिश्चित कर रही है। मोदी ने कहा कि सरकार 50 अरब डॉलर से अधिक के लक्षित प्रोत्साहनों के जरिये निजी क्षेत्र को समर्थन दे रही है और देश सस्ती डेटा सेवाएं एवं कम लागत वाली हरित ऊर्जा भी उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने भारत में निवेश का आह्वान करते हुए कहा, भारत के साथ काम करें और सभी के लिए परिणाम दें। वीवाटेक सम्मेलन यूरोप का प्रमुख प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन है।

आरबीआई शुक्रवार को एक लाख करोड़ रुपये की वीआरआर नीलामी करेगा

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को एक लाख करोड़ रुपये की तीन दिन की 'परिवर्ती दर रेपो' (वीआरआर) नीलामी आयोजित करेगा। यह जानकारी केंद्रीय बैंक की ओर से जारी अधिसूचना में दी गई है। आरबीआई ने कहा कि यह नीलामी 19 जून को सुबह 9.30 बजे से 10 बजे के बीच होगी, जबकि वित्तीय प्रणाली में डाली गई राशि 22 जून को वापस ली जाएगी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मौजूदा एवं बदलती तरलता स्थिति की समीक्षा के बाद यह कदम उठाने का निर्णय लिया गया है। वीआरआर की व्यवस्था के तहत आरबीआई बैंकों को अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिये पैसा उधार देता है। बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी 17 जून को घटकर 4,772.21 करोड़ रुपये रह गयी, जो 16 जून को 23,881.21 करोड़ रुपये थी। विशेषज्ञों के अनुसार, अग्रिम कर भुगतान के कारण नकदी के प्रणाली से बाहर जाने के कारण यह गिरावट आई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 17 जून का स्तर 22 मार्च, 2026 के बाद सबसे कम है, जब बैंकिंग प्रणाली में 65,395.64 करोड़ रुपये की नकदी कमी दर्ज की गई थी।

शुद्ध आयकर संग्रह 17 जून तक 15 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपये के पार

नयी दिल्ली : चालू वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 17 जून के दौरान शुद्ध आयकर संग्रह 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। बृहस्पतिवार को सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध कंपनी कर संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 2.08 लाख करोड़ रुपये हो गया जबकि शुद्ध गैर-कंपनी कर संग्रह आठ प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.94 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 45 प्रतिशत बढ़कर 18,856 करोड़ रुपये रहा। अग्रिम कर संग्रह 15.30 प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। कंपनियों से प्राप्त अग्रिम कर 16 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया जबकि गैर-कंपनी अग्रिम कर 13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,620 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के मुताबिक, 17 मई तक 89,026 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 1.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 12.46 प्रतिशत बढ़कर 6.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। इसमें 2.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कंपनी कर और लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये का गैर-कंपनी कर संग्रह शामिल है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से 26.97 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में एकत्रित 23.40 लाख करोड़ रुपये राजस्व से लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। इन आंकड़ों पर डेलॉयट इंडिया में साझेदार रोहिंटन सिधवा ने कहा कि ऐसा लगता है कि कर संग्रह पिछले वर्षों की दर कटौती के कारण आई गिरावट से उबर चुका है और एक बार फिर वृद्धि की राह पर लौट आया है। उन्होंने कहा, आंकड़े कंपनियों के मजबूत अग्रिम कर वृद्धि को भी दर्शाते हैं, जो कॉरपोरेट क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन को दर्शाता है।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी, सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा

मुंबई : भू-राजनीतिक मोर्चे पर सकारात्मक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में जारी नरमी से स्थानीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 254 अंक और निफ्टी में 82 अंक की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 254.36 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,409.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 77,492.33 अंक के उच्चतम और 76,953 के निचले स्तर तक गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 82.30 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 24,168 अंक पर बंद हुआ। यह घरेलू शेयर बाजार में तेजी का लगातार पांचवां कारोबारी सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 3,577.43 अंक और निफ्टी में 1,006.4 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही। पश्चिम एशिया में तनाव थमने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत गिरकर 77.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

व्यापार समझौते के तहत पहले 15 साल में ब्रिटेन से 3.78 लाख कारों के आयात की अनुमति देगा भारत

नयी दिल्ली : भारत 15 जुलाई से लागू होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत पहले 15 साल में ब्रिटेन से पारंपरिक इंजन वाली यात्री कारों और बड़े पैमाने पर बिकने वाले मॉडल की 3.78 लाख इकाइयों तक के आयात की अनुमति रियायती सीमा शुल्क पर देगा। बुधवार को जारी भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के दस्तावेज के अनुसार, दोनों देशों के लिए निर्धारित कोटा व्यवस्था के तहत वाहन उत्पादों पर आयात शुल्क करीब 110 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगा। दस्तावेज के अनुसार, भारत को ब्रिटेन के इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन चालित यात्री कार खंड में भी पहुंच मिलेगी। इसके तहत 20,000 पाउंड से 80,000 पाउंड मूल्य की इन कारों का ब्रिटेन को शुल्क-मुक्त निर्यात समझौते के छठे वर्ष से शुरू होगा। इस श्रेणी में कुल कोटा 15वें वर्ष में बढ़कर 88,000 इकाइयों पर पहुंच जाएगा और उसके बाद भी इसी स्तर पर बना रहेगा। इस समझौते से टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी भारतीय वाहन कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। दोनों देशों ने सीईटीए को 15 जुलाई से लागू करने की घोषणा की है। ब्रिटेन से भारत में आयात के मामले में पारंपरिक इंजन वाली यात्री कारों का कोटा विभिन्न निर्धारित श्रेणियों में पांचवें वर्ष में बढ़कर 37,000 इकाइयों पर पहुंच जाएगा। इस अवधि तक सीमा शुल्क घटाकर अंतिम रूप से 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा और इसके बाद इसमें कोई और कटौती नहीं होगी। पहले वर्ष में 3,000 सीसी से अधिक क्षमता वाले पेट्रोल इंजन और 2,500 सीसी से अधिक क्षमता वाले डीजल इंजन की कारों के लिए 10,000 इकाइयों का कोटा निर्धारित किया गया है। इन पर सीमा शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात 2030 तक 200 अरब डॉलर होने की संभावना: एसोचैम

नयी दिल्ली : भारत के पास ब्रिक्स देशों को निर्यात बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 200 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की क्षमता है, जो पिछले वित्त वर्ष में 96 अरब अमेरिकी डॉलर थी। उद्योग मंडल एसोचैम ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। ब्रिक्स 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। उद्योग मंडल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खनिज और धातु उत्पाद, रसायन, वाहन और वाहन कलपुर्जे, कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, दवा उत्पाद, रत्न और आभूषण, चावल, खाद्य तथा समुद्री उत्पाद ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं, जिन पर भारत ब्रिक्स देशों को अपना निर्यात बढ़ाने के लिए ध्यान केंद्रित कर सकता है। एसोचैम ने एक बयान में कहा, भारत के लिए मौजूद महत्वपूर्ण और अप्रयुक्त अवसरों को देखते हुए एसोचैम का मानना है कि 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' को बढ़ावा देकर वर्ष 2030 तक भारत का निर्यात 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही ब्रिक्स देशों के कुल वैश्विक आयात में भारत की हिस्सेदारी 2030 तक बढ़कर चार प्रतिशत हो सकती है। उद्योग मंडल के अनुसार, भारत के विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता और सदस्य देशों के बीच उभरती मांग-आपूर्ति प्रवृत्तियों के कारण 'ब्रिक्स प्लस' के तहत भारत के निर्यात वृद्धि को रफ्तार मिल रही है।

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन 2025 में आठ प्रतिशत गिरकर 36,793 करोड़ रुपये पर: एसएनबी

नयी दिल्ली/ ज्यूरिख : स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 36,793 करोड़ रुपये) रह गया। यह गिरावट स्थानीय शाखाओं और अन्य बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी गई राशि में कमी के कारण हुई। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट आने के बावजूद व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (करीब 6,000 करोड़ रुपये) हो गया। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। ये बैंकों की तरफ से स्विस नेशनल बैंक को दी गई सूचनाओं पर आधारित आंकड़े हैं। ये स्विट्जरलैंड में भारतीयों के पास मौजूद कथित काले धन की बहुचर्चित मात्रा को नहीं दर्शाते हैं। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं होता जो भारतीयों, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) या अन्य लोगों द्वारा स्विस बैंकों में तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया हो।

स्पोर्ट्स

कांगो ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल को बराबरी पर रोका

ह्यूस्टन : अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने हैट्रिक बनाकर अपनी टीम को विश्व कप फुटबॉल में शानदार शुरुआत दिलाई थी लेकिन उन्हीं की तरह छठी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ऐसा कोई कमाल नहीं दिखा पाए और उनकी टीम पुर्तगाल को कांगो के खिलाफ अप्रत्याशित रूप से 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रोनाल्डो और पुर्तगाल अपने पहले विश्व कप खिताब की कवायद में हैं लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और यह किसी बड़े उलटफेर से कम नहीं है। कांगो 52 वर्ष में पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा है। वह अफ्रीका की दूसरी टीम है जिसने यूरोप की किसी मजबूत टीम को बराबरी पर रोका। इससे पहले सोमवार को केप वर्डे ने स्पेन को गोलरहित बराबरी पर रोका था। एनआरजी स्टेडियम में 68,777 दर्शकों में पुर्तगाल के समर्थकों की संख्या काफी अधिक थी। उसकी टीम ने अच्छी शुरुआत की थी। जोआओ नेवेस ने छठे मिनट में पुर्तगाल को शुरुआती बढ़त दिलाई। पांच फुट सात इंच लंबे इस मिडफील्डर ने पेड्रो नेटो के क्रॉस पर हेडर से गोल किया। लेकिन पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में आर्थर मासुअकू के क्रॉस पर योआने विस्सा ने हेडर से गोल करके कांगो को बराबरी पर ला दिया, जिससे नीली जर्सी पहने उसके मुट्ठी भर प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

कालेब यिरेनकी के अंतिम क्षणों के गोल से घाना जीता

टोरंटो : कालेब यिरेनकी के दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पांचवें मिनट में किए गए गोल की मदद से घाना ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एल के मैच में पनामा को 1-0 से हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। जब लग रहा था कि मैच गोलरहित बराबरी पर छूटेगा तब यिरेनकी ने ब्रैंडन थॉमस असांटे के क्रॉस पर गोल किया। थॉमस असांटे को बायीं ओर से गोल करने का मौका मिला और उन्होंने करारा शॉट जमाया जिसे यिरेनकी ने सही दिशा देकर गोल में डाल दिया। इससे उनके साथी खिलाड़ी खुशी से मैदान में दौड़ पड़े। इस मैच में दोनों टीम को गोल करने के बहुत कम मौके मिले थे। ऐसे में पनामा को उम्मीद थी कि वह विश्व कप में अपना पहला अंक हासिल करने में सफल रहेगा लेकिन यिरेनकी के गोल ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। घाना की टीम में मिडफील्डर थॉमस पार्टे शामिल नहीं थे, जिन्हें इंग्लैंड में बलात्कार के आरोपों के मामले में मुकदमा चलने के कारण कनाडा में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। पहले हाफ में गोल पर एकमात्र शॉट खेल शुरू होने के दो मिनट बाद लगाया गया।

स्मृति हमेशा मुझे मैदान पर शांत रहने के लिए कहती है: शेफाली वर्मा

लीड्स : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि मानसिक रूप से मजबूत रहने से उन्हें हाल के खराब प्रदर्शन से उबरने में मदद मिली और इसके साथ ही टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने भी सहज और शांत होकर खेलने में उनकी सहायता की। अपने पहले महिला टी20 विश्व कप खिताब की कवायद में लगी भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से और दूसरे मैच में नीदरलैंड को 95 रन से हराया। नीदरलैंड के खिलाफ शेफाली ने 38 गेंदों में 55 रन बनाकर लय में लौटने के संकेत दिए। उन्होंने मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की जिससे भारत पांच विकेट पर 209 रन बनाने में सफल रहा। शेफाली ने विश्व कप से पहले खेले गए द्विपक्षीय मैचों के संदर्भ में कहा, ''इंग्लैंड के खिलाफ (द्विपक्षीय श्रृंखला में) हम अच्छी साझेदारियां नहीं कर पाए लेकिन हम आपस में इस संदर्भ में काफी बातचीत कर रहे थे और एक दूसरे का हौसला बढ़ा रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''हमने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसके बाद मैंने नेट पर काफी अभ्यास किया। मैंने जमीन पर शॉट खेलने की कोशिश की, मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने की कोशिश की और हमारी साझेदारी बहुत अच्छी रही।''

हैरी केन ने दो गोल करके रिकॉर्ड की बराबरी की, इंग्लैंड ने क्रोएशिया को हराया

आर्लिंगटन (अमेरिका) : हैरी केन ने दो गोल करके विश्व कप फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे उनकी टीम ने ग्रुप एल के अपने पहले मैच में क्रोएशिया पर 4-2 की जीत से अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। केन ने 12वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। उन्होंने इसके बाद 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। मार्टिन बटुरिना (36वें) और पीटर मूसा ने पहले हाफ में गोल करके क्रोएशिया को मुकाबले में बनाए रखा। मूसा ने अपना गोल पहले हाफ के इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में किया। लेकिन जूड बेलिंघम (47वें) ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद ही इंग्लैंड को निर्णायक बढ़त दिला दी। मार्कस रैशफोर्ड ने 85वें मिनट में बढ़त को और मजबूत कर दिया। इन दोनों टीम के बीच 2018 में सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ था जिसे क्रोएशिया ने जीता था लेकिन यहां इंग्लैंड की टीम बेहतर साबित हुई। मध्यांतर तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर था, लेकिन इंग्लैंड ने इसे 3-2 से अपने पक्ष में करने में देर नहीं लगाई। बेलिंघम ने इलियट एंडरसन से एक लंबा पास लिया और एक डिफेंडर और गोलकीपर डोमिनिक लिवकोविच को छकाते हुए गोल कर दिया। केन अब विश्व कप में 10 गोल कर चुके हैं। उन्होंने 1986 और 1990 के टूर्नामेंट में खेलने वाले गैरी लाइनकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

भारत विश्व टीम स्नूकर चैंपियनशिप के फाइनल में

गुआंगडोंग (चीन) : भारत ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व टीम स्नूकर चैंपियनशिप में दबदबा बनाते हुए गत चैंपियन हांगकांग चीन को 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। भारत ने सात साल पहले म्यांमा में चैंपियनशिप जीती थी और अब शनिवार सुबह को होने वाले फाइनल में उसका सामना मेजबान चीन 'ए' और कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। युगल मुकाबले में थोड़ी परेशानी के बावजूद पंकज आडवाणी और आदित्य मेहता जीत गए। आडवाणी ने चेयुंग का वाई को 74-1 से और आदित्य मेहता ने वांग युचेन को 67-9 से पछाड़ा। भारतीय जोड़ी को युचेन और वान नानसेन सिन मान से 59-68 से हार मिली। लेकिन आडवाणी ने युचेन को 74-0 से पराजित किया।

डायमंड लीग में नीरज की वापसी, श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश पथिरागे से होगा मुकाबला

दोहा : भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि जब वह शुक्रवार को यहां दोहा डायमंड लीग में फॉर्म में चल रहे शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ वापसी करेंगे तो चोट के कारण प्रतियोगिताओं से अनुपस्थिति उनकी लय को प्रभावित नहीं करेगी। इसमें भाग लेने वाले शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों में श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश थरंगा पथिरागे भी शामिल होंगे जिन्होंने कुछ दिन पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है। दूसरी ओर 28 वर्षीय चोपड़ा पीठ की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए थे और इस प्रतियोगिता में वह 84.03 मीटर के औसत थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कतर स्पोर्ट्स क्लब में वह शुरुआत से ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। दोहा उनके लिए भाग्यशाली रहा है। यहीं पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने पिछले साल मई में 90 मीटर का थ्रो किया था। वह 90.23 मीटर के थ्रो से जर्मनी के जूलियन वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। यह प्रतियोगिता आठ मई को सत्र की शुरुआत के तौर पर आयोजित होने वाली थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया था। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद 25 मई से स्विट्जरलैंड में ट्रेनिंग कर रहे चोपड़ा को नौ खिलाड़ियों वाले इस ग्रुप में देर से शामिल किया गया।

भारत ने उरुग्वे को हराकर अपने पूल में शीर्ष स्थान हासिल किया

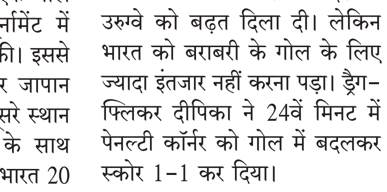

ऑकलैंड : दीपिका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल किए जिससे भारत ने शुरू में पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां उरुग्वे को 3-2 से हराया और एफआईएच महिला नेशंस कप के पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। पहले दो मैच में भी अच्छा प्रदर्शन करने वाली दीपिका ने दो गोल किए जबकि दीपिका सोरेंग ने एक गोल दागा। इससे भारत ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले उसने अमेरिका और जापान को हराया था। अमेरिका दूसरे स्थान पर रहा और वह भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत 20 जून को सेमीफाइनल में चिली या कोरिया से भिड़ेगा। मैच के 13वें मिनट में ही चियारा एपेंनिनो ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर उरुग्वे को बढ़त दिला दी। लेकिन भारत को बराबरी के गोल के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। ड्रैग-फ्लिकर दीपिका ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

वर्ष 11, पूर्णांक 3627 अंक 093 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in